



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 29, 1977 (कार्तिक 7, 1899)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29, 1977 (KARTIKA 7, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 सितम्बर 1977

सं० पी०-1776/प्रशा० II—संगणन विज्ञान एकक, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता के भूतपूर्व लेक्चरर श्री के० एस० नायक, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-76, 9-6-76 और 23-2-77 द्वारा 2-3-76 से 31-8-77 तक संघ लोक सेवा आयोग के का लिय में पहले प्रोग्रेसर (अब वरिष्ठ प्रोग्रेसर के रूप में पुनः पदनामित) के पद पर नियुक्त किया गया था, को 1-9-77 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है ।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव (प्रशा०)
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1) दिनांक 5-8-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचि-

वालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एम० सगमेस्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1) दिनांक 17-9-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 11-10-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० 32011/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भादिया को, राष्ट्रपति द्वारा 12-10-1977 से 11-11-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

(4817)

सं. ए० 32011/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी महायुक्त श्री वी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 5-10-77 से 19-11-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० पी० एफ०/पी०/2-जी०—पेशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री एस० डी० पुन्हाणी, स्थायी अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, जो भारत पर्यटन विकास निगम लि० में प्रतिनियुक्त पर गए हुए थे, 30 सितम्बर, 1977 अपराह्न को सेवा-निवृत्त हो गए।

श्री निवास
अवर सचिव

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० ए-19019/1/77-प्रशा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जे० एस० बाबा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1951) को दिनांक 27-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए सयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० आर०-11/72-प्रशामन 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्-द्वारा, श्री आर० श्रीनिवासन, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 22 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० ए० 19021/3/77-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश संवर्ग के, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, श्री त्रिनाथ मिश्रा को 24 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

भूदेव पाल
प्रशामन अधिकारी (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० ओ० II-1001/72-स्थापना—श्री श्रीधरन नायर उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रुप सेटर (पन्थीपुरम), के० रि० पु० दल, 87 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश दिनांक 6-5-77 से 31-7-77 के समाप्त होने पर दिनांक 31-7-77 (अपराह्न) में इस दल से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

2. इस महानिदेशालय के सभ सख्या अधिसूचना दिनांक 18-7-77 को रद्द समझा जाए।

सं० ओ०-II-1046/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर कोशी एयापन को, 19-9-1977 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० ओ०-II 1093/73-स्थापना—श्री विथल मोरे, उप-पुलिस अधीक्षक, 23वीं बाहिनी के० रि० पु० दल 31 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश 1-10-77 से 31-10-77 तक के समाप्त होने पर इस दल से 31-10-77 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

सं० ओ०-II-1075/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर यक्ष-कुमार पुन्धोर को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 1-10-1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० ओ०-II-41/69-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० एल० दुबे, कमाण्डेंट को उसके पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप-महानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री दुबे ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप-महानिरीक्षक, गोहाटी के पद का कार्यभार दिनांक 15 सितम्बर 1977 के अपराह्न से सभाला।

सं० ओ०-II-1000/72-स्थापना—श्री अक्षर सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 55वीं बाहिनी के० रि० पु० दल के पद का कार्यभार 30-9-1977 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 11 अक्टूबर, 1977

सं० ओ०-II-1055/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल इयुटी आफिसर ग्रेड 1) डाक्टर गुलाबचन्द गाधी, बेस हॉस्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद, का त्यागपत्र दिनांक 9-9-1977 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
महायुक्त निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अक्टूबर 1977

सं० ई-29020/77-मा० प्रशा० II—वित्त मन्त्रालय (रक्षा) के श्री मल्लिकार्जुन मिश्र, सहायक, जो इस समय के० औ० सु० ब० में 30-11-74 (अपराह्न) से अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, को दिनांक 23-9-77 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० में मूल रूप से स्थानान्तरण के आधार पर अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

ली० सि० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापञ्जीकार के कार्यालय के अन्वेषक, श्री ओ० पी० शर्मा, को, जो इस समय जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थायी रूप में 7 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, तमिल नाडु एवं पाण्डिचेरी, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एम० पञ्चापकेशन को, जो इस समय उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में 9 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अन्वेषक श्री एस० पी० शर्मा, को, जो इस समय जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में 8 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापञ्जीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एम० के० अहूजा को, जो इस समय इसी कार्यालय में अनुसन्धान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, इस कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में 9 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उनके द्वारा तदर्थ आधार पर धारित अनुसन्धान अधिकारी के पद का कार्यभार, उन्होंने उसी तारीख से छोड़ा।

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 9 जून, 1977 की अधिसूचना सं० 11/1/77-प्रशा०-I के अनुक्रम में, जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल के कार्यालय अधीक्षक, श्री एस० के० मजूमदार की जनगणना कार्य निदेशालय, नागालैण्ड में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 18-10-1977 से 31-12-77 तक की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 9 जून, 1977 की अधिसूचना सं० 11/1/77-प्रशा०-I के अनुक्रम में, जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय अधीक्षक श्री बी० डी० शर्मा की जनगणना कार्य निदेशालय, सघ राज्य क्षेत्र, चण्डीगढ़ में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तीन महीने के लिए तारीख 1-10-1977 से तारीख 31-12-1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

रा० भ० चारी
भारत के महापञ्जीकार और
भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

वित्त मन्त्रालय

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० बीएनपी/ई/8/एम-6—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7-6-77 के अनुक्रम में श्री एम० एल० नारायण उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 7-9-77 पूर्वाह्न से तीन माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० प्रशा० 1/1038-XV/2382—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि/तिथियों से अगला आदेश जारी होने तक महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय में बहाली करने की कृपा की है।

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------------|
| 1. सर्वश्री दीलीप कुमार मुखर्जी | दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न से) |
| 2. सर्वश्री चम्पाई मूरूम | दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न से) |

3. सर्वश्री जनीन्द्रनाथ सरकार दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न)
4. सर्वश्री निर्मलेन्दु चक्रवर्ती दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न)

उपरोक्त अधिकारीगण अपने वर्तमान पदों से मुक्त होकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के समक्ष उपस्थित हों। जिससे उनकी बहाली लेखा अधिकारी के रिक्त स्थानों पर हो सके।

अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता की सूचना काल क्रम में दे दी जाएगी।

ह० अष्टनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

3388/स० ए०-प्रशासन/130/75-77 --लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ के निम्नलिखित अधिकारी उनके आगे लिखी तारीख से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नाम	तिथि
सर्वश्री	
1. टी० महादेवन	31-8-77 (पूर्वाह्न)
2. ए० ए० ए० म० थापर	31-8-77 (पूर्वाह्न)

के० बी० दाम भौमिक
वरिष्ठ उप निदेशक
लेखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएँ

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षालेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अक्टूबर, 1977

स० 71019(9)/77 प्रशा०-II—राष्ट्रपति, मन् 1975 में सध लोक सेवा आयोग द्वारा लो गयी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामस्वरूप, श्री ब्रिगेन्ड डिवान को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परीक्षोत्तीर्ण के रूप में दिनांक 2-11-1976 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० ए० भौर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक
(प्रशा०)

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

स० 6/305/55-प्रशासन (राज०)/7223—राष्ट्रपति,
श्री के० पी० नारायण, स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी-

2) को 26 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि
मुख्य-नियंत्रक
आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकासयुक्त (लघू उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1977

स० ए० 19018/272/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री तपन कुमार बंधोपाध्याय को लघू उद्योग विकास संगठन, नई दिल्ली में दिनांक 1 अगस्त 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए उप निदेशक (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री तपन कुमार बंधोपाध्याय ने दिनांक 1 अगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से लघू उद्योग सेवा संस्थान, कटक (उडुमा) में उप-निदेशक (रसायन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1977

स० 12/506/63-प्रशासन (राजपत्रित)—पदावनति के फलस्वरूप श्री आर० पी० चुग, ने दिनांक 1 जुलाई 1977 (पूर्वाह्न) से लघू उद्योग सेवा संस्थान, श्रोखला, नई दिल्ली कार्यालय के उप-निदेशक (यांत्रिकी) के पद, जिस पर वे तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, का कार्यभार छोड़ दिया।

2. श्री आर० पी० चुग ने उसी कार्यालय में दिनांक 1 जुलाई 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 6 अक्टूबर 1977

स० 12 (226)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—श्री जी० डी० दुग्गल, उप-निदेशक (यांत्रिकी) का राष्ट्रपति जी लघू उद्योग विकास संगठन में दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्न) से 31 दिसम्बर, 1977 तक की अवधि या पद के स्थाई रूप से भर जाने तक के लिए, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-II) (यांत्रिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री जी० डी० दुग्गल ने लघू उद्योग सेवा संस्थान लुधियाना के उप-निदेशक (यांत्रिकी) के पद का कार्यभार दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्न) से छोड़ दिया और उसी कार्यालय में दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्न) से निदेशक (ग्रेड-II) (यांत्रिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

बी० बैंकटरायलू
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० प्र०-1/1 (1061)---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री आर० के० घोष को दिनांक 17 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) (प्रशिक्षण आरक्षी) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

कीरत सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

(प्रशासन अनुभाग-15)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० प्र० 15/28 (631)/77---राष्ट्रपति, केन्द्रीय सूचना सेवा के अधिकारी श्री के० एस० राममूर्ति को दिनांक 1 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (शिकायत तथा जनसम्पर्क) (वेतनमान 1500-1800) के पद पर उप सचिव के वेतन पर नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान द्यूरो

नागपुर दिनांक 5 अगस्त, 1977

सं० ए०-19011 (221)/77-स्थापना-ए०---राष्ट्रपति, श्री आर० बी० देशमुख को 16 अगस्त के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान द्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष
कृते नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० 4611/बी०/40/59/सी०/19ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) श्री अनन्त देव मुखर्जी को अधीक्षक के पद पर उसी विभाग में 19-8-1977 (पूर्वाह्न) से परावर्तित किया गया है।

बी० के० एस० बरदन,
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० सी०-5283/707---भारतीय सर्वेक्षण विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतन मान में अधिकारी सर्वेक्षक (बर्ग 'बी') के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है ---

पद तथा नाम	यूनिट/ कार्यालय	नियुक्ति की तारीख	अभ्युक्ति
1. श्री नरेश कुमार सर्वेक्षक मलेक्शन ग्रेड	पार्टी सं० 58 (प० म०) अजमेर	21-9-77 (पूर्वाह्न)	---
2. श्री मोहन लाल, डाफ्टमैन डिविजन 1 मलेक्शन ग्रेड	सं० 11 आरे- खण कार्यालय (द० पू० सं०) भुवनेश्वर	1-8-77 (पूर्वाह्न)	---

के० एल० खोमला,
मेजर जनरल
भारत के महसर्वेक्षक
नियुक्ति अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977

सं० 5/7/68-एस०-I---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री रजनीश प्रसाद मिश्रा को, आकाशवाणी, दरभंगा में 10 अगस्त, 1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० 10/76/77-एस० तीन---महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री ए० मुन्नागव को, दिनांक 26-8-77 से, दूरदर्शन केन्द्र, गुलबर्गा, में, सहायक इंजीनियर के पद पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

शुद्धिपत्र

सं० 10/12/72-एस० तीन---अधिसूचना सं० 10/12/72 एस०-3, दिनांक 9-8-77 की आखरी लाईन में दिए गए शब्द '91 दिन, को '121 दिन, पढ़ा जाए।

दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 10/40/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एम० आर० भरार को उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, खामपुर में 5-9-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक

दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 10/117/77-स्टाफ-3—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सी० बी० महानो को, दिनांक 28-6-77 से दूरदर्शन केन्द्र, मुजफ्फरपुर में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977

सं० 8/65/50-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता, श्री एम० पी० रामन, स्थायी छाया ग्राहक फिल्म प्रभाग नई दिल्ली को दिनांक 19-9-77 के पूर्वाह्न से, श्री अबनासी राम, समाचार अधिकारी सेवा निवृत्त होने के कारण उसी दफ्तर में स्थानापन्न समाचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 6/64/56-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता, श्री एम० ए० नाबेकर छुट्टी पर जाने के कारण श्री एम० सिंह देवीदासन, स्थानापन्न ले आउट आर्टिस्ट को दिनांक 10-10-1977 के पूर्वाह्न से, इन विटबिन अनिमेटर के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में नियुक्त करता है।

सं० 2/4/68-सिबन्दी-I—श्री एम० आर० सेठी, स्थानापन्न निर्माण प्रबन्धक फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 17-9-1977 के अपराह्न से स्थायी यूनिट मैनेजर के पद पर प्रत्यावर्तित भाते जायेगे।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० ए०-12026/8/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री खैराती लाल वर्मा, इस निदेशालय के वितरण सहायक को 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से अगले आदेश तक, तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक वितरण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर,
उप-निदेशक (प्र०)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए०-19019/46/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डाक्टर (श्रीमती) मलिन प्रसाद को 12 अगस्त 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

एन० एस० भाटिया,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 14 सितम्बर, 1977

सं० फा० 74/15/72-वि०-I—मं०, जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ०-3184, दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (ii) 83, दिनांक 29 जुलाई, 1961 (iii) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (iv) 157, दिनांक 22 जून, 1963, और जी० एस० आर० 904, दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए सर्वश्री एन गोपास, विपणन अधिकारी, कालीकट, पी० रामचन्द्रन, नायर, सहायक विपणन अधिकारी, मंगलौर और बी० बनाराम मूर्ति, विपणन अधिकारी, बंगलौर को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से चन्दन तेल और निम्बूघास तेल, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर सम्बोधित सुगन्धित तेल श्रेणीकरण और चिन्तन नियम 1954 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका नियति उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये प्राधिकृत करता है।

जे० एस० उप्पल,
कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० फाईल-4-7 (2)/74-प्र०-II—उपवरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री पी० एम० कृष्णन ने इस निदेशालय में मद्रास में दिनांक 14 सितम्बर, 77 के अपराह्न में मुख्य रसायनज्ञ के पद का कार्याभार सौंप दिया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 21 सितम्बर 1977

सं० पी० पी० ई० डी०-3 (262)/76-प्रशा०/13048—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सलेक्शन ग्रेड क्लर्क श्री एच० एच० शाह को, एतद्वारा, उसी प्रभाग में, 1 सितम्बर, 1977 के पूर्वार्द्ध से 11 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न तक, अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी, नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री टी० टी० पिशोरी के स्थान पर की गई है जिन्हें प्रशिक्षण के लिये भेजा गया है।

बी० वी० शेट्टे,
प्रशासन अधिकारी

नरौरा, दिनांक 21 सितम्बर 1977

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशासन/1 (46)/77-एस०/10207—राजस्व बोर्ड कार्यालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के नायब तहसीलदार, श्री रामायण प्रकाश श्रीवास्तव ने, जो इस परियोजना में भू-प्रबन्ध अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के कारण अपने मूल विभाग को प्रत्यावर्तित होने पर इस परियोजना में अपने पद का कार्याभार 26 अगस्त, 1977 के अपराह्न से छोड़ दिया।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 26 सितम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०-निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भंडार निदेशालय के सहायक लेखा अधिकारी, श्री के० पी० वाडिया को 2 मई, 1977 से 12 अगस्त, 1977 के अपराह्न तक उसी निदेशालय में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्थापना/29901—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भंडार निदेशालय के लेखाकार, श्री दर्शन सिंह को 2 मई, 1977 के पूर्वार्द्ध से 12 अगस्त, 1977 के अपराह्न तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री के० पी० वाडिया सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की गई है, जिन्हें लेखा अधिकारी-II नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चौपड़ा
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

संदर्भ: भापापए/स्था०/1/घा-39/5405—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री यशवन्त पुरुषोत्तम धारपुरे, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न प्रवर प्रक्रम लिपिक को, उसी कार्यालय में 3 अक्टूबर, 1977 (पूर्वार्द्ध) से 10 नवम्बर, 1977 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर श्री आर० एन० रामचन्दानी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हुए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना : 401504 दिनांक 1 सितम्बर 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (3)/76-आर०—इस कार्यालय की दिनांक 18 मई, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, एक अस्थायी लेखाकार श्री वाई० आर० वेल्कर को, उसी बिजलीघर में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर, 2 जून, 1977 से 27 जून, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 सितम्बर 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18 (3)/77-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के निजी सहायक श्री वी० के० पी० पिल्ले को, 5 सितम्बर, 1977 से 11 अक्टूबर, 1977 की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एस० त्रयम्बकनाथ के स्थान पर की गई है, जो प्रशिक्षण के लिए भेजे गये हैं।

डी० वी० मारकाले,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई-400039, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/2/10/76—अध्यक्ष व मुख्य कार्यापालक इस कार्यालय के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एस० कृष्णन को 1 अगस्त, 1977 से मौलिक रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली,
मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
कृते अध्यक्ष व मुख्य कार्यापालक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 06106—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० दयाल को 20-9-77 से 17-12-77 तक 89 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दयाल, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालसुब्रह्मन्यन,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० ए०-32013/8/77-ई० सी०—गणपति ने श्री बी० एस० ग्रेवाल, सहायक निदेशक संचार (मुख्यालय) नागर विमानन विभाग को 19-8-77 (पूर्वाह्न) से 30-4-78 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियंत्रक संचार के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में तैनात किया है।

प्रेमचन्द जैन
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

सं० 1/439/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री डी० पी० नासकर को अल्प काल के लिये खाली जगह पर 10-5-77 से 2-7-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायम को अल्प काल के लिये खाली जगह पर (1) 3-1-77 से 6-2-77 और

(2) 15-7-77 से 30-7-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/338/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक श्री ए० के० बोस को अल्प काल के लिये खाली जगह पर 27-6-77 से 12-8-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

सं० 16/262/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री अनूप कान्ति डे को दिनांक 3 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सहायक इजी-निपर (यांत्रिकीय), वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 16/265/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, आन्ध्र प्रदेश वन विभाग के अधिकारी श्री एम० पद्मनाभा रेड्डी को दिनांक 8 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक डैनिडा/भारत वृक्ष सुधार परियोजना में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/268/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री बी० के० गुप्ता, अनुसंधान सहायक वर्ग-1 को, दिनांक 25 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में नियुक्त करते हैं।

सं० 16/269/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री जनेश्वर दयाल जैन को, दिनांक 25 जुलाई, 1977 से अगले आदेशों तक सहर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलय

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

मि० सं० 11(7) 1-स्था०/77/11864—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के आदेश मख्या 113/77, दिनांक 1-8-77 के अनुसरण में निम्नलिखित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद, आई० ए० एस० की परीक्षाका के आधार पर भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद सेवा में श्रेणी 'अ' के रूप में नियुक्त किया गया, उपर्युक्त आदेशानुसार वे सीमा शुल्क समाहर्तलय पटना में उनके नाम के सामने दिए गए तिथि से अधीक्षक श्रेणी 'ख' के रूप में कार्यभार ग्रहण किए।

अधिकारी का नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
(1) श्री शिशिर कुमार	22-8-77
(2) श्री ऋषिकेश शरण	10-8-77
(3) श्री राजेन्द्र प्रसाद	4-8-77
(4) श्री अग्रस्तिन बा	12-8-77

हरिनारायण साहू,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1977]

सं० ए०-19012/2/77-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री आई० आर० ए० मुन्नामन्यम, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ रूप में वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के क्रम में दिनांक 5-7-77 पूर्वाह्न से अगले आशु तक सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

श्री आई० आर० ए० मुन्नामन्यम ने सहायक अभियंता के कार्यालय का कार्यभार सूखा क्षेत्र अध्ययन उप-प्रभाग-3, हैदराबाद में जो कि अधीक्षक अभियंता, सूखा क्षेत्र अध्ययन वृत्त संख्या 2, हैदराबाद के अधीन है, में दिनांक 5-7-77 पूर्वाह्न से ले लिया है।

जितेन्द्र कुमार साहा,
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं० ई०-II/ई० ई ए०/सी एफ० ए०/सिविल/ओ०—
श्री मो० व० महाशब्दे, स्थाना० सहायक अधिकल्प इंजीनियर (पुल तथा संरचना), अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन को दिनांक 8-7-76 से इस संगठन में द्वितीय श्रेणी में सहायक अनुसंधान इंजीनियर/रेलपथ अभिलेखीयान-मीटर लाइन के रूप में स्थायी किया जाता है।

गोपी नाथ भट्टाचार्य,
महानिदेशक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1977]

सं० 15—भारतीय रेल अभियंतिकी विभाग के श्री बी० पी० गोयल अवर अभियंता (निर्माण) II-इलाहाबाद 31-8-1977 अपराह्न से आयु अधीन सेवा निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० 17—श्री प्रीतम सिंह, कर्मशाला विद्युत अभियंता, अमृतसर का दिनांक 30-9-77 को देहान्त हो गया है।

जी० ए० केसवानी
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
(कम्पनी विधि वाई)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वास्तिक बेनीफिट्स प्राईवेट (समापन में) लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

समापन/3286/18396—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी 2-306GI/77

जाती है कि स्वास्तिक बेनीफिट्स प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर० के० अरोड़ा,
[सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
दिल्ली एवं हरियाणा]

कम्पनी अधिनियम 1956 और मानिक चाट बागरी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 16622/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मानिक चाट बागरी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ,
कम्पनीयो का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

आयकर आयुक्त का कार्यालय

मिलांग 793001, दिनांक 14 अक्टूबर 1977

सूचना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287, उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का इस विचार होने के कारण, कि ऐसी कार्यवाही लोकस्वार्थ के लिए उचित है, मैं केन्द्रीय सरकार द्वारा मुझ पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिनके बकेया कर को रकम विस्तीय वर्ष 1976-77 का अन्तिम दिन 1,00,000 रुपए या इससे ज्यादा था —

क्रम सं०	निर्धारितियों के नाम और पता	बकाया कर का रकम
1	2	3
1	मेसार्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, आसाम	रु० 2,47,941
2	श्री दुर्गादत्त शर्मा, के०/ओ० मेसार्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, आसाम	रु० 8,37,424
3	शेख मोहम्मद नबाव, जोरहाट आसाम	रु० 1,50,626
4	इसराइल खान (मृत), पांच आलि, डिब्रूगढ़, आसाम	रु० 2,47,307
5	मेसार्स मंगल चन्ध राम कुमार एण्ड को० डिब्रूगढ़, आसाम	रु० 1,66,457

1	2	3
6.	तोलाराम विजयकुमार (हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब) धूवडी, आराम	रु० 1,24,661
7	सरदार प्रीतम सिंह रतन, गली धर्म्यालीयन, मकान न० 1507 चावलमडी, अमृतसर (पंजाब)	रु० 4,45,042

जिन निर्धारितियों की बकाया कर का रकम वित्तीय वर्ष 1976-77 के अंतिम दिन (यानी 31-3-77 तारीख) 1,00,000 (एक लाख) रुपए से ज्यादा था, उनके नाम एवं

अन्य विवरण इसी सम्वाद पत्र में आज प्रकाशित किए गए हैं।

जनसाधारण को सूचना दी जा रही है कि इन व्यक्तिकर्मियों के अपने नाम या उनके किसी रिश्तेदार या बेनामदार के नाम रखी हुई सम्पत्तियों एवं/या विनिधान के बारे में अगर उनकी जानकारी हो तो इसके बारे में वे गोपनीयता और विश्वास-पूर्वक सम्पत्ति आयकर आयुक्त को कृपया सूचित करें।

एस० एन० सेन
आयकर आयुक्त, नार्थ ईस्टर्न
रीजन, शिलांग (मेघालय)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) जनरल फाइबर डीलर्स प्रा० लि०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) दी० रेडीमनी प्रोमिसेस को० आप० हाउ० सो० लि०
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 1 बंबई

(3) सोसायटी के किरायेदार और सदस्य
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० अ० इ०-1/ 1953-10/ फर० -77 —अतः,
मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसको सं० सी० एस० न० 2/123 का लोवर बरेल
डिवीजन है तथा जो डा० अनिबसंत रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1/2/1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख न० 1091/ 1974 / बंबई उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 1/2/77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इसाका -1, बंबई

तारीख : 11 अक्टूबर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रफुल्ल चन्द्र बर्मन,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुविता बट्टाचार्या

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -4

कलकत्ता, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० ए० सि० / 18/ अर्जन-रे-4/ कल० / 77-78 —
अतः, मुझे, ए० एन० बट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 162/ डि० / 570/ 1 है, तथा जो लेक
गार्डेंस, कलकत्ता - 45 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-1-77।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्त-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

162 / डि० / 570/ 1, लेक गार्डेंस, कलकत्ता - 45 में
स्थित खाली जमीन, परिमाण 3 कठ्ठा 32 स्क० फीट के समद्वय
चीजों

ए० एन० बट्टाचार्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख 12-10-1977

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

निदेश न० ए० पी० 1718 —यत, मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किणोरी लाल सयाल पुत्र श्री लक्ष्मी मल सयाल,
मैट्रल मिल, नजदीक सन मिनेमा, जालन्धर
(अन्तरक)

(2) म० ठाकुर एण्ड सन्ज, जी० टी० रोड, जालन्धर
मार्फत ठाकुर रवी राज सिंह, 457-न्यू० जवाहर
नगर, जालन्धर शहर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति 10 पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख न० 518 मई, 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 13-10-77

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 13 अक्टूबर, 77

निर्देश नं० ए० पी० 1719.—यतः, मुझे बी०एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो माडल
टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जमवंत सिंह पुत्र श्री हरी सिंह मार्फत न्यू मुरज
ट्रांसपोर्ट कम्पनी, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीन कौर पुत्री, श्री दासोन्दा सिंह,
108 -एल०, माडल टाउन, जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 742 मई, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, जालन्धर

तारीख : 13/10/77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निदेश नं० 309/ अर्जन/ आगरा/ 77-78 —अतः, मुझे
 आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए में अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो में स्थित
 है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-77
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री राम किशन अरोड़ा पुत्र रोशन दास अरोड़ा
 नि० सुभाष नगर कालोनी नाई की मण्डी, आगरा
 (अन्तरक)

(2) श्री राम मोहन व रवीकुमार मदान पुत्र श्री गुणदत्ता
 राम अरोड़ा नि० कटरा नील बाजार नाई की
 मण्डी, आगरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3/50 जो कि खान्दारी रोड
 आगरा में स्थित है राजा (बलवन्त सिंह रोड) आगरा उचित
 बाजारी मूल्य 54,000 रु० में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
 मक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 10-10-77
 मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

निर्देश स० ए.एम.आर/ 25/77-78—यत, मुझे एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो तुगपाई, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी खरीती लाल श्री बनराज पुत्र नागरमल, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डी० के० प्रिटिंग मिल्स ट्राग श्री बलवीर चन्द मेहरा 61, बेरी गेट, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर संकेतित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 भू-खण्ड नाप 1134 बर्गेज एब 603 बर्गेज तुगपाई, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1557 एब 1559 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 अक्टूबर 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निदेश सं० एएसआर/26/77-78—यनः, मुझे एस०के०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी न० 343 है तथा जो शिवाला रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
संदेह से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-306GI/77

(1) श्री बन्देव राज पुत्र श्री ज्ञानचन्द द्वारा महाज
टेक्सटाइल्स, अन्तर मुल्तान विड, गेट, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री मनीश कुमार एवं अश्वनी कुमार पुत्रगण
चमनलाल कटारा हूवो, अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके तारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 343 शिवाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख संख्या 1491 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख . 10 अक्टूबर 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अक्टूबर 77

निदेश सं० एएसआर/27/77-78—यत मुझे

एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो कूपर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, यर्थात् --

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी चुन्नी लाल पुत्र श्री रामनारायण दी माल टांगा कालानी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री ज्वालादाम, किशनलाल, मुभाप चन्दर पुत्रलाल श्री रामदाम, कूपर रोड, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किराए दार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नाप 300 वर्गगज कूपर रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1494 एवं 1495 फरवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-10-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ, (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 11 अक्टूबर 77

निर्देश सं० ए एम आर/20/77-78—यत मुझे

एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मेहदीपुर तहसील में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री आसा सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह निवासी ग्राम मेहदीपुर, तहसील पट्टी, जिला अमृतसर (अन्तरक)

(2) सर्वश्री पाखर सिंह, दर्शन सिंह, सुखचैन सिंह, एवं रेशम सिंह पुत्रगण श्री करतार सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, निवासी ग्राम मेहदीपुर, तहसील पट्टी, जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि नाप के० एम० 109-7 ग्राम मेहदीपुर तहसील पट्टी, जिला अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 626 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी, जिला-अमृतसर में लिखा है।

एम० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० एएसआर/ 29/ 77-78 —यत, मुझे एम० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० प्लॉट न० 55 मिन आर० बी० प्रकाशचन्द रोड है तथा जो पुलिस लाइन के पास, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, धर्मात् --

(1) श्री जतिन्दर अग्रवाल, श्री सतीश कुमार, श्री पवन कुमार श्री नरिन्दर कुमार पुत्रगण श्री कुन्दन लाल एवं कुमारी रीता पुत्री श्री कुन्दन लाल, श्रीमती आशावती विश्वा श्री कुन्दन लाल, निवासी 220, पवन महल न्यू० 11 रोड, चैम्बूर बाम्बे -71

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजगम्भीर पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह, 7 अमर-तोला गली कलकता-1

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 55 नाप 528 वर्गगज स्थित आर० बी० प्रकाशचन्द रोड, पुलिस लाइन के पास, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1426 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख 11-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री गुलजार हुसैन एव श्री युसूफ अली पुत्र श्री एच० एम० हुसैन राधा विलास कोठी, कोटा ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जेहरा बाई पत्नी श्रीफिदा हुसैन, राधा विलास कोठी, कोटा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मिनम्बर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

निर्देश सं० राज० / सहा० आ० अर्जन/ 372 :—यत्न, मुझे चुष्ठी लाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट न० 9 है तथा जो कोटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट न० 9, न्यू० मोटर मार्किट (शो रुम, साऊथ विंग) के हिस्से पर निर्मित एक मजिल की इमारत जो उप पंजीयक कोटा द्वारा दिनांक 19-2-77 को क्रम संख्या 177 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है ।

चुष्ठी लाला,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख . 29-9-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 सितम्बर 77

निदेश सं० राज० / सहा० आयु० अर्जन / 373 :—यतः,
मुझे, चुन्नी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 9 है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलजार हुसैन एवं श्री युसुफ अली पुत्र श्री एच० एम० हुसैन अली, राधा विलास, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलमा बाई पत्नी श्री एच० एम० हातिम अली बोहरा राधा विलास, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 9 के हिस्से पर निर्मित एक मजिला भवन (शो रुम साउथ एवं नोर्थ विंग के बीच में) जो न्यू मोटर मार्केट में स्थित है। उप पंजीयक कोटा द्वारा दिनांक 19-2-77 को क्रम संख्या 172 पर पंजीकृत विवरण पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 29-9-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्टूबर 77

निर्देश सं० राज०/ सहा० आय० अर्जन / 374 :—यत,
मुझे, चुन्नी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० 320 है तथा जो प्लॉट न० 119,
जोधपुर में स्थित है, (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21 जून, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रतन प्रभा जैन पत्नी श्री मोतीचन्द जैन,
शास्त्री नगर, 19/4/ए, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) मर्वशी हस्तीमल कलाल पुत्र हजारीमल कलाल,
अरविन्द पुत्र हस्तीमल कलाल (नाबालिग), राजेन्द्र
कुमार (नाबालिग) पुत्र हस्तीमल कलाल, मोजती
गेट के अन्दर, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

'बाल भवन' के नाम से जाना जानेवाला प्लॉट न० 119
पर स्थित मकान न० 320, सुभाष चौक के पास, , रतनाड़ा,
जोधपुर ।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11 अक्टूबर, 77
मोहर .

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निदेश सं० ए सी क्यू० 23-1-1335 (603) :—
यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेनं० 46, प्लॉट नं० 10 तथा 11 है, जो होल्थाना मार्ग, गोथाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोथाडा (भावनगर) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैमर्स श्रीजी एन्जीवीटर्स, 335, शालीमार हाउस, ग्रांट रोड, बम्बई-17।

की ओर से :—

1. श्री उममान भाई अबूबकर, बोटादना, जावे, गथाडा)।

2. श्री बिलकिमबेन अब्दुल रजाक, की ओर से पावर ऑफ अटारनी होल्डर श्री अब्दुल रजाक हाजी बनी महमद, हजार विला, क्लब बैक रोड, बम्बई,

3. श्री अब्दुल रजाक भाई अबूबकर भाई, दरवेश मंजिल, 123, काबेकर, स्ट्रीट, बम्बई-3,

4. श्री याकूब भाई हाजी, गनी, हजार विला, क्लब बैक रोड, बम्बई। (अन्तरक)

(2) मैमर्स श्री एन्जीवीटर्स, की ओर से भागीदार —

1. श्रीमती भगीरथीबेन मनूभाई पंड्या,

2. श्री अनंत राय मनूभाई पंड्या, मार्फत श्री चित्ता, अजेद्रा भवन, भूपेन्द्र, रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 873 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 46, प्लॉट नं० 10 तथा 11 है तथा जो होल्थाना मार्ग पर, गथाडा गाव, गथाडा तालुका में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, 8-2-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 122/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-10-77

मोहय :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

निदेश सं० एसीक्यू० 23-I-1336(604)/11-6/
77-78—यन, मुझे, एम० सी० परीख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 7 है, जो वेरावल-चोरवाड रोड, एम० टी० बस स्टैंड के सामने, वेरावल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भूतत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—306GI/77

(1) श्री चिमनलाल केशवजी, मे० नलिन कान्त एन्ड क० 1/1/ए०/ ओल्ड हुनुमान ग्राम लेन, बम्बई-2।

(अन्तरक)

(2) डा० कान्तीलाल देवसीभाई राजा चिल्ड्रेन (स्पेशियलिस्ट) मेडिकल प्रेक्टिसनर, स्टेशन के सामने वेरावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल माप 1078 5 वर्ग गज है तथा जो प्लॉट न० 7, वेरावल-चोरवाड रोड, वेरावल में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वेरावल के 1-2-1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 301 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद.

तारीख 7-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निदेश नं० 74-ए०/अर्जुन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० निमजिला मकान है तथा जो राम नगर केमरा
लाइन नैनीताल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 3-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों यथातः--

1 श्री मदन मोहन हिमवाल

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार

(अन्तरित)

3 श्री मदन मोहन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 3 संजिला मकान जो राम नगर, केमरा लाइन, जिला
नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लखनऊ

तारीख 6-10-77
मोहर.

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

निदेश सं० 80-बी०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संप्लाट मय बंगला है तथा जो 3 ए०पी० सेन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री सराडिन्डू बामू

(अन्तरक)

2. श्री जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लि०

(अन्तरिती)

3. श्री एम० बामू एवं परिवार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मय बंगला क्षेत्रफल 55,700 स्क्० फीट जो 3, ए०पी० सेन रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 10-10-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

म० आर० ए० सी 106/77-78—यत मुझे के० एम० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-665 प्लॉट 9 न० है, जो येलम्मा गुट्टा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री एम.आनन्दम (2) आई० एस०-यम-शरमा-कलीलबाडी नैजामाबाद में रहते हैं ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० मुबाप रेड्डी बकील-पोलीस लैन कनटेशवर रास्ता नैजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट न० 9 मुनिसिपल न० 5-7-665 येलम्मा गुट्टा नैजामाबाद, ज़ुमला बिस्ती न० 354-89 बर्ग यार्ड दस्तावेज न० 417/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

के० एम० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख . 11-10-1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० सी० 107/77-78—यन, मुझे, के० एम०
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० 6-3-1219/44 है, जो बेगमपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री उमाकरन तेजकरन घर नं० 8-2-547

(2) तेजकरन 8-2-547 बनजाराहील्म-हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री बी० रमेनदररेडी घर नं० 6-3-1219/44
उमानगर बेगमपेट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

3. श्री बीनदाल पारटनर इंडियन रोडवेज बालानगर
हैदराबाद

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) बी डिवीजनल मैनेजर एन० आई० सी० इंडिया
सेकरीटरीएट रास्ता, हैदराबाद

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1219/44 प्लॉट नं० 44 विस्ती नं० 456
बर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 442/
77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद, हैदराबाद—उसके अन्तर्गत।

उत्तर : घर नं० 6-3-1219/44

दक्षिण : राजा जितेन्द्र प्रसाद राय

पूर्व : जमीन हबीब जंग

पश्चिम : ग्राम रास्ता

के० एस० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-10-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 108/77-78 —यतः मुझे
के० एम० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 836/ ए० है, जो रामपुर करीम
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की श्रावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

- (1) 1. कुरेसी बेगम पति स्वर्गीय सैयदबदरुद्दीन
2. कुलमुनीभावबेगम पति महमद अब्दुल जबीर
3. सैयद बदरुद्दीन पिता सैयद कादर मोहद्दीन
करीमनगर में रहते हैं।
(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बीलाराजीरेड्डी पिता सीनारेड्डी
2. चादापेदारेड्डी पिता लक्ष्मारेड्डी,
3. बुदा रामरेड्डी
4. कैरवैदा लीनारा रेड्डी,
5. चदा कृशनन रेड्डी तमाम लोग रहते हैं करीम
नगर में
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एम० एफ० न० 836/ए० रामपुर करीमनगर के पास
जुमला विस्ती न० 5-31 एकड़ रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज
न० 562/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय करीमनगर में।

के० एम० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1977

स० आर० ए० सी० 109/77-78—यन, मुझे, के० एम०

वेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिव्यता करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 7-2-860 / प्लॉट नं० 14 है, जो जनरल मार्केट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री दी० लक्ष्मण राउ पिता ई० नरसीमलू गमशाबाद
हैदराबाद जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला पति नारायण दाम लालबाणी
पहली मजिला राजा भवन पानजार सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुलगी नं० 7-2-860 प्लॉट नं० 14 जनरल बाजार सिकन्दरा-
बाद विस्तीर्ण 43 वर्गयार्ड रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 201/77
34 रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद।

के० एम० वेकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 12-10-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) स्वास्तिक कन्सट्रक्शन कम्पनी 111 एम०-डी०-रास्ता
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीकृष्ण भुपाल 3-6-416/3 ईमायतनगर
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

स० आर० ए०सी० नं० 110/77-78—यन, मुझे, के० एम०
वेकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 137 और 138 है, जो एम० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आफीस का नं० 137 और 138 (50 %) जगह 111 सरोजनीदेवी रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री की गई है । दम्नावेज नं० 222/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एम० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 12-10-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

म० आर० ए० सी० न० 111/77-78 —यत, मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी म० 137 और 138 (50%) है, जो 111 एम०-डी० रास्ता मिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-306GI/77

(1) स्वतन्त्रिक कन्ट्रक्शन कम्पनी 111 सरोजीनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीराम भूपाल महुपाला घर न० 3-6-416/3 ईमायतनगर हैदराबाद-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जगह न० 137 और 138 (50%) 111-सरोजीनी देवी रास्ता मिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 232/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद ।

के० एम० वेंकटरामन,

सक्षम अधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) स्वामित्व कनस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एम० डी० रास्ता, सिकन्दाबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० नं०-112-77/78—यतः, मुझे,
के० एस० वेकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 334 आपीसा है, जो 111 एस० डी० रास्ता
सिकन्दाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री एम० अनुमनवाधारी घर नं० 17-6-211
दबीर पुरा दरवाजा के बाहर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(3) डाक्टर मीनरल्स डवलपमेंट डीवीजन आटोमिक
पावर—कार्यालय -111 एस० डी० रास्ता सिकन्दाबाद ।
(वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जगह का घर नं० 334-III-मनजीला-चेन्द्रालोक
ए०-III-एम० डी० रास्ता सिकन्दाबाद रजिस्ट्री की गई है ।
दस्तावेज नं० 268/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दाबाद में ।

के० एस० वेकट रामन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद ।

तारीख : 12 अक्टूबर 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० सी०-113/77-78—यन, मुझे, के०एस०
बेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 329 और 330 है, जो एस० टी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री स्वासतीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी, III-एम० डी० रास्ता-सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सदानन्द चारी, श्रीमती एम० कृष्णावैनी द्वारा घर न० 17-6-211, दबीरपुरा ।

(अन्तरिती)

(3) डायरेक्टर आटोमिक मिनरल्स डीवलपमेंट डिवीजन, आटोमिक इनर्जी, कार्यालय III-एम० डी० रास्ता सिकन्दराबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आफिस घर न० 329क और 330 (50%) चन्द्रालोक में III-एम० डी० रास्ता सीकन्दराबाद में दस्तावेज न० 280/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एम० बेकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1977.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

सं० 114/77-78 यत मुझे के० एस० बेकट रामन सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रमिसेम न० 329-330 है, जी 111 एस० डी रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिमी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय श्री बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वस्तिक कस्ट्रक्शन कंपनी 111 सरोजनी देवी रोड, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी एम० कृष्णा देवी पत्नी एम० भद्रम्मा चारी 17-6-211, बेरुन दबीर पूरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

(3) डायरेक्टर, एटोमिक मिनरल डिविजन, (एटोमिक एनर्जी के कार्यालय, 111, एम० डी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सिकन्दराबाद, सरोजनी देवी रोड पर स्थित चन्द्रालोक कोम्लेकम में आफिस प्रमिसेम न० 329-330 (50%) भाग जो सिकन्दराबाद सब रजिस्ट्री कार्यालय पर दस्तावेज न० 281/77 से रजिस्ट्री की गई है ।

के० एस० बेकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख :

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111 सरोजनी देवी रोड, मिकन्दराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

(2) श्री एम० रामाचारी 17/6/211 आउट साइड डबीपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) डाइरेक्टर, मिन्सम्स डेवलपमेंट डिवाइजन, एटोमिक एनर्जी कार्यालय, 111 सरोजनी देवी रोड मिकन्दराबाद, आंध्र प्रदेश।

(वह व्यक्ति, जिसने प्राधिकरण में सम्पत्ति है)।

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

म० 115/77-78—यत मुझे के० एम० वेकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० आफिस प्रेमिसेम न० 311-312 (50 प्रतिशत) जो 111 एम० डी० रोड, मिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिकन्दराबाद, नगराजनी देवी रोड पर स्थित चन्द्रलोक कोम्प्लेक्स में आफिस प्रेमिसेम न० 311 और 312 (50 प्रतिशत) भाग जो मिकन्दराबाद नव रजिस्ट्री कार्यालय पर दस्तावेज न० 283/77 में रजिस्ट्री की गई है।

के० एम० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज हैदराबाद।

तारीख 12-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

स० प्रार० पी० सी० 116/77-78—यन मुझे के० एस०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी न० 2-4-1115/2 और 3 है, जो काछीगुडा
हैदराबाद में स्थित है (यों-इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) बाणी येम-ममतानी (2) येन-येम ममतानी
(3) आर-येम ममतानी तीन लोग रहते हैं।
शापरपलाजा स्टेशन रोड, नामपली, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री सार्दब पिता सीरुमल सलानी घर नं० 3-4-
362 लीनरमपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मनजिला घर एक रूम—ऊपर की सतह में जिसकी
वीस्तेन 377-49 वर्ग मीटर है, घर न० 2-4-1115 (पुराना)
और नया न० 2-4-1115/2 और 3 काछीगुडा हैदराबाद में
है, रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज नं० 272/77 रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेकट रामन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 111-एम० डी० रास्ता, सिकन्दराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती लीला एम० सनकलाय्या 18-ए, मनिक 11-नीपन रोड, बामवे-6।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

स० आर० पी० सी० 117/77-78—यत मुझे के० एम० वेकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको स० 115, और 116 एम० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कार्यालय का न० 115 और 116। राजपत्र इन्द्रालोक में है, 111-मराजिनी देवी रास्ता में है। सिकन्दराबाद रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 233/77 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एम० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

तारीख : 13-10-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

स० आर० पी० सी० 118/77-78—यत मुझे के० एस०
वेकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० न० 208, 209, और 217 है, जो एस० डी०
रास्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-2-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) स्वामिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी०
रास्ता सिकन्दराबाद में।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० रमादेवी, घर न० 6-3-1186
बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 208, 209, और 217 -मजीलपर
इन्द्रलोक मे-111 एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में। रजिस्ट्री
की गई है। दस्तावेज न० 252/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेकट रामन

गक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-77

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

स० आर० ए० सी० 119/77-78—यत्. मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० 8/89, और 8/90 है, जो अखिलाल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16)
के अधीन 28-2-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—306G1/76

(1) श्रीमती सी० गंगाबाई पत्नी बी० रामन, 3/4
ईस्टमारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में। इ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चोदे विजयालक्ष्मी पति सी० बासाकृष्ण
घर नं० 11-50/8 मेम कालोनी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दोमंजिला घर नं० 8/89 और 8/90 विस्तार 230
वर्ग याडें, सर्वे नं० 182 प्लॉट नं० 10 अलवाला ग्राम पंचायत
सिकन्दराबाद में है, रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज नं० 385/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1977

माइर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

निदेश न० आर० ए० सी० न० 120/77-78—यतः, मुझे
एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8/87 और 8/88 है, जो अलवाल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गंगाबाई परनी बी० रामन 3/4 ईस्ट
मारेडपेल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बनेमरेड्डी राममोहनराउ (2) बी० एस० एन०
दुर्गाप्रसाद पिता के द्वारा, श्री बी० राममोहनराव
घर न० 1-नौरम कालोनी, तिरुमलगिरि, सिकन्दरा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 8/87 और 8/88 दो मंजिला घर 240 वर्ग
गज पर है, सर्वे न० 182 प्लॉट न० 10 अलवाल ग्राम पंचायत
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 384/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मणिकवाचगम आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री वडमलै राजपन्थियन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० 31/फेब/77 यत् मुखे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिवकी न० 673/2 है, जो श्री यूलूफलम वडकुमलै गाव में स्थित है (श्रीर इम 9 उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडिनायम्बूर (पत्र सं० 141/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, वडकुमलै गाव सर्वे न० 673/2 में 12.67 एकड़ खेती की भूमि (और आदि)।

जी० राम नाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-I, मद्रास

तारीख : 12-10-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री अब्दुल कादर खादि (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) कुमारी पैका अहमद नुबिलु (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

निर्देश सं० 32/फेब/77—यतः, मुझे जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 217 है, जो कोलक्करै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोलक्करै (पत्र सं० 139/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन 14-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामनाथपुरम जिला, कोलक्करै गांव एस० सं० 217 में 4.40 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-I, मद्रास

तारीख : 12-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री पी० टी० सुब्रमणिय मुदलियार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नीलाम्बाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1977

निदेश सं० 38/एफ० ई० वी०/77—यन, मुझे जी० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो चेट्टी तागल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूरी (पत्र सं० 133/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्त अर्काट जिला, चेट्टीतागल गांव में 5 एकर 63 सेंट खेती की भूमि (पत्र सं० 133/77)।

जी० रामनातन
मध्यम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-10-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कल्पहाम्बाल और आदी (अन्तरको)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सेगोड गऊन्डर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

निदेश सं० 39/एफ० ई० वी०/77-यत, मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० 146/1, 4 और 2 है, जो रासीपुरम में स्थित
है (अर्ज इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रासीपुरम (पत्र सं० 230/77)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिनियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्त्रि के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, रासीपुरम गांव एस० सं० 146/1 (3.41
एकर), 146/4 (1.16 एकर) और 146/2 (0.04
एकर) में 4.61 एकर खेती की भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख 12-10-77
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एम०—

1. श्री पलनिसामि चेट्टियार और आदि।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री वी० रामलिंगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 16/एफ० ई० बी०/77—यत, मुझे जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 67 ए० और 67 बी है, जो दिन्डुक्कल रोड पलनि में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पलनि (पत्र सं० 71/1977) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलनि, दिन्डुक्कल रोड डोर सं० 67 ए और 67 बी (आर० एस० सं० 60/1बी और 60/1 ए) में 111 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 7-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

निदेश सं० 17/एफ० ई० वी०/77—यतः, मुझे, जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो चत्रम स्ट्रीट दिन्डुक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिन्डुक्कल (पत्र सं० 22/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० रामसामि (अन्तरक)

2. श्रीमती एन० ए० कल्याणी अर्चुनी और आदि (अन्तरिती)

3. दि माउथ इन्डिया बैंक लिमिटेड,
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्डुक्कल, चत्रम स्ट्रीट डोर सं० 5 (टी० ए० सं० 205) में 2683 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 7-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 448—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/बलाक 1 है, जो तेनालि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—306GI/77

1. श्री पी० सुब्रह्मनयम (2) पी० सत्यनारायण शास्त्री कोत्तपेटा, तेनालि । (अन्तरक)

2. श्री पी० दक्खिना मूर्ति, कोत्तपेटा, तेनालि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 164/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 449—यत मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/बलाक न० 1 है, जो तेनालि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री पी० मुन्दरा सिबुडु (2) श्रीमती पी० स्वराज्य लक्ष्मी (3) कुमारी पी० वसन्ता (4) पी० नीरजा (5) पी० अनता कोत्तापेटा, तेनालि।

(अन्तरक)

2. श्री पी० दक्षिणामूर्ति, कोत्तापेटा तेनालि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 269/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा।

तारीख : 3-10-1977

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्तूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 450—यतः मुझे एन० के०

नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/बलाक नं० 1 है, जो तेनालि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 [(1908 का 16) के अधीन 2-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वेकटागोपालाकृष्ण, कोत्तपेटा, तेनाली (अन्तरक)
2. श्री पी० दक्षिनामूर्ति, कोत्तपेटा, तेनालि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 171/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 451—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री जी० श्रीनिवास, हैदराबाद (अन्तरक)
2. पेपर इंजीनियरिंग सर्विसेस (पी०) लिमिटेड, विजयवाड़ा (अन्तरिती)
4. श्री जी० आर० सस्त्री, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 381/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

1. श्री पी० वेकटा मुलली कृष्ण, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० सी० 452—यतः, मुझे, एन० के०,

नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी स० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. पेपर इजीनियरिंग सर्विसेस (पी०) लिमिटेड विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

4. श्री जी० आर० शास्त्री

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 132/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 453—यत. मुद्दे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० वेक्टरामाराव, हैदराबाद (अन्तरक)
2. पेपर इंजीनियरिंग सर्विसेस, (पी०) लिमिटेड विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

4. श्री जी० आर० शास्त्री, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० : 133/77 निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अंबति जगन्नाथम, राजमन्डी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० नं० 454—यत. मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 24/193, 46-7-7 है, जो राजमन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० ए० के० दक्षिणामूर्ति, राजमन्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 282/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

नं० 455—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 26-29-77 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एम० लक्ष्मम्मा, मद्रास । (अन्तरक)

(2) श्री एम० नारायणराव, विजयवाडा (1) ब्राच
मैनेजर, इन्डियन बैंक (2) ब्राच मैनेजर, करोना
साहु स्टोरस, विजयवाडा (3) ब्राच मैनेजर,
स्वस्तिक रबबर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० : 142/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर, 77

सं० 456 :—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 126/2 है, जो राजमनड्री में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमनड्री में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-2-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—306GI/77

(1) श्रीमती हमीरुद्दीसा बेगम साहेबा राजमनड्री
(अन्तरक)

(2) श्री गोरेला सन्यामिराब राजमनड्री
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

राजमनड्री रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 28-2-77
में पंजीकृत दस्तावेज न० 574/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निदेश सं० 457—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 126/2 है, जो राजमनड़ी में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमनड़ी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ताः—

(1) श्रीमती हमीरक्षीता बेगम साहेबा, राजमनड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० वेकट सत्य मोहिनी कृष्णा कुमारी,
राजमनड़ी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

राजमनड़ी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 28-2-77
में पजीकृत दस्तावेज नं० 575/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती हमीरुन्नीसा बेगम साहेबा, राजमनड्री।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री चलुमारु वेकटेश्वराराव, राजमनड्री।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० 458—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 126/2 है, जो राजमनड्री में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमनड्री में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमनड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 28-2-77
में पंजीकृत दस्तावेज न० 576/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 15 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० 54/77-78/आई० ए० सी० (ए०/आर०)/भुवनेश्वर—यत, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ब्राह्मणी टरग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानपोस में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) श्री सत्यनारायण अग्रवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री छबिल चन्द बसल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमिन ब्राह्मणी टरग मौजा, रघुनाथपत्नी धाना और सुन्दरगढ़ जिला में स्थित है । वह जमिन पानपोस सबरेजिस्ट्रार आफिस में 21-1-77 तारीख में रेजिस्ट्रार हुआ, जिसके डाकुमेंट नं० 63 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख . 15-10-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/47/77-78 ---

यत मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5.85 एकर जमीन खसरा नं० 102 है तथा जो मौजा धाबा त० जि० नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्री नत्थु डी० शेदामे, धाबा त० जिल० नागपुर,
2. श्री रामभाउ नत्थुजी शेदामे, धाबा त० जि० नागपुर, 3. श्रीमति तुल्साबाई मोतीराम भागरे, धुईखेड, त० काटो० जि० नागपुर, 4. श्रीमती गंगाबाई वासुदेव चिकनकर, धाबा त० जि० नागपुर,
5. श्रीमती लीलाबाई रामाजी मोरे, उनाडी त० सावनेर जि० नागपुर, 6. श्रीमती बनाबाई एस० राव, नागपुर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. प्रकाश इस्टीमेट ऑफ इंडिया, चदन बाजार, ट्रस्टी : देवीदास रामत्रिण बोरकर, वाडी त० जि० नागपुर : (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5.85 एकड़ जमीन, खसरा नं० 102 मौजा धाबा त० जि० नागपुर ।

एच० सी० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 10-10-77
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निर्देशन सं० आय० ए० सी० / अर्जुन / 46/77-78 —यत, मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51-ए० है तथा जो गोकुल पेठ, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) मेसर्स गजानन कस्ट्रक्शन कंपनी, गोकुल पेठ, नागपुर (अन्तरक)

(2) डा० रमेश भाउराव बकाने, मार्फत फोटॉनसेस कानली जनरल हास्पिटल R/O जेम्स टाउन, टीन 38566 यू० एस० ए०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नागपुर सुधार प्रत्यास प्लॉट नं० 51-ए०, सिव्हील स्टेशन एक्सपोज़ेशन स्कीम, गोकुल पेठ, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, नागपुर

तारीख : 10-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती अजली राय चौधुरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) डाक्टर श्रीमती कल्पना कृष्णमूर्ती।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० 53/77-78/आई० ए० सी० (ए०/आर०)/
बी०बी०एस०आर० :—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० है, जो सहदेव खुन्टा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बालेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-1-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान मौजा-सहदेव खुन्टा, सुनाहाट, जिला-
बालेश्वर में स्थित है। वह जमीन बालेश्वर सब-रजिस्ट्रार
आफिस में 17-1-77 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ; जिसका डाकुमट
नं० 159 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख 18-10-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निदेश सं० आर०/197 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/4090—, अतः मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,

और जिसकी सं० 412 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेख मोहम्मद मुर्तजम पुत्र शेख गुलाब साबरी, शेख मो० ताहर पुत्र शेख मो० यासीन बाल कुर्ती मेरठ कैन्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवयुग सहकारी मरम निर्माण समिति लि० द्वारा अध्यक्ष गौतम शर्मा पुत्र तारा चन्द बुम्हपुरी मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3 बिस्वा पुख्ता पाम प्रभात नगर, साकेत के पोछे मेरठ 1,04,340 के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 19-10-1977
मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० टी० आर०/199 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/4091—अन० मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 440 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-2-77

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से तम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—306GI/77

(1) श्री शेख मुहीबुद्दीन पुत्र शेख गयासुद्दीन अजमलउद्दीन पुत्र जमीनुद्दीन सावरी नि० लाल कुर्ती मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवयुग सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा श्री गौतम शर्मा पुत्र श्री ताराचन्द्र ब्रम्हपुरी मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 1 बीघा 2 बिस्वा 19 बिस्वांसी पुष्पा पास प्रभातनगर, साकेत के पीछे मेरठ 1,04,115 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 19-10-77
मोहर.

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० 334/अर्जन/क्यू०/कानपुर/77-78/4092—
अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 383 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विणम्बर दयाल गुप्ता पुत्र श्री मूल चन्द गुप्ता नि० 51/30 नौघड़ा कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल, रामाशकर, मोती लाल, जेय पाल और हजारी लाल पुत्र श्री सूरजदीन नि० 103/142 कर्नल गज कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट न० 6 ब्लाक टी गुरैया स्कीम न० 7 हर्षनगर कानपुर 45000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 19-10-1977

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

नदेश सं० टी० आर०/194ए/अर्जन/मेरठ/77-78/4093—
मुख्य आर० पी० भार्गव,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के
अनुसार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

जिसकी सं० 330 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
कारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-77
उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
यन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शेख गुलाम मो० सावरी पुत्र शेख मो० बजीर,
शेख मो० यामीन पुत्र शेख मो० बजीर शेख जमीनुद्दीन
सावरी पुत्र मिया शेख मुजफ्फर लाल कुर्ती, मेरठ।
(अन्तरक)

(2) नवयुग सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा
अध्यक्ष श्री गौतम शर्मा पुत्र नारा चन्द ब्रह्मपुरी,
मेरठ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 1 बीघा 3 बिस्वा 4 बिस्वासी पुख्ता पास
प्रभातनगर, सर्कल के पीछे मेरठ 1,05,247 50 पैसे के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 19-10-1977
मोहर।

सच लोक सेवा आयोग

रेलवे और आयुध कारखाना चिकित्सा सेवा के अधीन

चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए

सम्मिलित परीक्षा (1978)

नोटिस

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

म० फा० 14/3/77-प० 1 (ख) — सच लोक सेवा आयोग द्वारा रेलवे और आयुध कारखाना चिकित्सा सेवा के अधीन निम्नलिखित ग्रुप 'क' के चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए 14 मार्च 1978 को एक सम्मिलित परीक्षा आयोजित की जाएगी —

- (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी — लगभग 75 रिक्तियाँ* ।
- (ii) आयुध कारखाना चिकित्सा सेवा में कनिष्ठ बेतनमान पद — लगभग 43 रिक्तियाँ* ।

*रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है ।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

ध्यान दें — उम्मीदवार जिन पदों पर वरीयता-क्रम में विचार किए जाने के दृष्टिकोण से उनका अपने आवेदनों में स्पष्ट उल्लेख करें । जिन पदों पर वे विचार किए जाने के दृष्टिकोण से उनके बारे में निर्दिष्ट वरीयता क्रम में परिवर्तन करने के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

2 परीक्षा-केन्द्र — अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलूर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग और त्रिवेन्द्रम ।

पात्रता की शर्तें —

(क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो,

या

- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, तथा इथियोपिया से प्रजनन कर आया हो ।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii), (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो ।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा ।

(ख) आय-सीमा — पहली जनवरी, 1978 को 30 वर्ष से कम ।

किन्तु 1978 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए आयु सीमा वर्ष तक की छूट दी जा सकती है ।

अधिकतम आयु-सीमा में निम्नलिखित स्थितियों में छोटा जा सकती है —

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष ।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भारत) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक दस वर्ष ।
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भारत) से प्रजनन कर आया वास्तविक विस्थापित हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद से वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और वह, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रजनन कर आया हो या वह जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया-प्रत्यावर्तित होकर आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार 1 जन, 1963 को या उसके बाद से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जाति का हो और साथ ही 1 जन, 1963 को के बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संधर्ष या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान विस्थापित तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संधर्ष या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाई के दौरान विस्थापित तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हो और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं,
- (xi) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में पूर्व-पाकिस्तान संधर्ष में विस्थापित हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हो, और

(XII) सीमा सुरक्षा घल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हो तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को लागू करने निर्धारित आय सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नही दी जाएगी।

(ग) मौखिक योग्यता — इस परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार ने फाइनल एम० बी०, बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग 19 दिसम्बर, 1977 को या उससे पहले उत्तीर्ण कर लिए हों।

नोट 1 — एम उम्मीदवार जिन्हें अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप पूरी करनी है, वे भी मौखिक दाँट से इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र हों। किन्तु ध्यान हो जाने के बाद उनकी नियुक्ति अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप पूरी करने के बाद ही की जाएगी।

नोट 2 — जिन उम्मीदवारों की फाइनल एम० बी०, बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग का परिणाम घोषित नहीं हुआ हो और जिन उम्मीदवारों को अभी इन परीक्षाओं में बैठना हो वे इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

4 आवेदन-पत्र के साथ देय शुल्क — रु० 28 00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु० 7 00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एक वम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ध्यान दें — एक बार अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी अन्य परीक्षा या ध्यन के लिए आरक्षित रखा जाएगा।

5 आवेदन कैसे किया जाए — केवल रेलवे और आयुध कारखाना चिकित्सा सेवा के अधीन चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1978) हेतु निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं —

(1) दो रूप का मनीआर्डर या सघ लोक सेवा आयोग के सचिव, को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।

(II) दो रूप का नकद बैंक आयोग के कार्यालय में काउंटर पर।

नोट — आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा भेजने के लिए किए जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 12 दिसम्बर, 1977 के पहले पहुँच जाने चाहिए। परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर भेजने वालों को 19 दिसम्बर, 1977 तक मिल सकते हैं।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वायत्त वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर-सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो,

जिनमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अन्तिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय, विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अन्त में सलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियाँ निकालकर, आयोग को सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और हर हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

6 आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्रार्ति की अन्तिम तारीख —

(1) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 19 दिसम्बर, 1977।

(ii) विदेश में या अइमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 2 जनवरी, 1978।

7 प्रवेश, जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हो।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा —

(1) रु० 28 00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7 00) का शुल्क जो सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, सघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे उस देश में भारत के उच्च आयुक्त या राजवृत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के छाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र — आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहाँ के मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उच्चतर विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हैं, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस सस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस सस्था के बाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक के परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 —जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आय से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 —उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उनके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र —उम्मीदवारों को किसी प्राधि-करण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए 19 दिसम्बर 1977 अर्थात् आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख को या उससे पहले एम० बी० बी० एम० परीक्षा पास कर लो है।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 8 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो का एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विद्यमान अंकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा — अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता आदि तौर पर रहते हों, उग जिले के किसी मूल (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से परिशिष्ट 1 में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) आय से छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों द्वारा —

(1) —पैरा 3 (ख) (ii) या 3 (ख) (iii) के अधीन शुरू में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्था-पित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है —

- (1) वडकारण परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित पब डिबीजन का सब डिबीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ii) पैरा 3 (ख) (iv) अथवा 3 (ख) (v) के अधीन आय से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है या आने वाला है।

(iii) पैरा 3 (ख) (vi) के अन्तर्गत आय से छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया में प्रव्रजन कर आए या जाम्बिया, मलावी, जेरे, और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव से उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।

(iv) पैरा 3 (ख) (vii) अथवा 3 (ख) (viii) के अन्तर्गत आय से छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र का एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है।

(v) पैरा 3 (ख) (ix) अथवा 3 (ख) (x) के अन्तर्गत आय से छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, में निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैंक न०
श्री रक्षा सेवाओं से कार्य करते
हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष के दौरान* अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी
कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप
निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पदनाम
दिनांक

*जो शब्द लागू न हो, उसे छपया काट दे।

(vi) नियम 3 (ख) (xi) अथवा 3 (ख) (xii) के अन्तर्गत आय से छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म —

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
रैंक न० श्री
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष
के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त
हुए।
हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

ध्यान दें — उम्मीदवारों को ध्यानपूर्वक दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 7 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक सलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

8 आवेदन प्राप्ति की सूचना —इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पट्टचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पट्टचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पट्टचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

9 आवेदन का परिणाम —अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार में वंचित हो जाएगा।

10 परीक्षा में प्रवेश —किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में सब शोध सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

11 कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई —उम्मीदवारों को जतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवारों को यह भी जतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का मशोर्धन या परिचर्जन या कोई फेर बदल न करें और न फेर बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दोष या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो उनको इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का बोधो है या बोधो घोषित हो चुका है —

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या
- (iv) जामी प्रलेख या फेरबदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना, या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना, या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हो जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हो, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह
- (ख) (1) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन

किसी नियुक्ति के लिए, स्थायी रूप से या कुछ निविष्ट अवधि के लिए अपर्याप्त किया जा सकता है, और

(ग) अगर वह पत्र में सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमवली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

12 मान प्रमाण-पत्र-प्रस्तुतीकरण —उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपयुक्त पैरा 7 में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्थल उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

13 परीक्षा की योजना —इस परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र में लिखित परीक्षा ली जाएगी जिसमें (1) निम्नलिखित विषयों पर बहु-पूरक प्रश्न पूछे जाएंगे, (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ब्रण विज्ञान सहित सर्जरी (ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य-आयुर्विज्ञान (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निषेधक आयुर्विज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, और (iv) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान, प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा और (2) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा जिसके समान अंक होंगे।

नोट —परीक्षा का स्वरूप, प्रश्नों के नमूने और उत्तर पत्रक के नमूने में संबद्ध व्योम उम्मीदवार-सूचना-पुस्तिका में परिशिष्ट II पर दिए गए हैं।

14 जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषयों से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु धर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है, उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा, समीक्षारमक सूक्ष्म बुद्धि की शक्ति, संतुलित विवेचनशीलता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता, जाग्रतिक सत्यनिष्ठा, स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

15. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही लोगों की उसी क्रम से नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उसनी के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुसूचित किया जा सकता है बशर्ते कि परीक्षा में उनकी योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

16 परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किम प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में आयोग उनके साथ कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

17. नोटिस को अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताए गए बरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

18 परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात में संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने कर्तित और पूर्ववृत्त के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक बात होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्स्टैं-शिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति-प्राधिकारी संतुष्ट हों।

19 उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्त प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हों, द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किए गए सभी उम्मीदवारों को रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास व्यक्तित्व परीक्षण की तारीख के बाद किसी कार्य दिवस पर शारीरिक परीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

20 कोई भी व्यक्ति —

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है, या
- (ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है,

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से संबद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

21. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार.—आवेदन पत्र से संबद्ध सभी पत्र व्यवहार सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए —

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महिना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पर्ता।

ध्यान दे —जिन पत्रों में उपर्युक्त ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

22 पत्र में परिवर्तन —उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करे। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 21 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए, यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

23. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके सक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिए गए हैं।

आर० एस० सोयल
उप सचिव

परिशिष्ट I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
—मुपुत्र/मुपुत्री* श्री—
—जो गाँव/कस्बा*—
—जिला/महल*—
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र —के/
की* निवासी है, —
—जाति/जन जाति* के/की* हैं जिसे
निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (सघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956।

संविधान (अजमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियाँ आदेश, 1959।

संविधान (अजमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) (अनुसूचित जातियाँ) आदेश 1962।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970।

2 श्री/श्रीमती/कुमारी*
 और/या* उनका परिवार आम तौर से गाय/कम्बा*
 ----- जिला/
 मंडल* ----- राज्य/
 संघ* राज्य क्षेत्र ----- में
 रहते/रहती* है।

हस्ताक्षर -----

**पदनाम -----

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान -----

तारीख -----

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हो, उन्हें कृपया काट दें।

नोट—यहाँ "आम तौर से रहते/रहती है" शब्दों का अर्थ बही होगा।
 1। रिप्रेजेंटेशन ऑफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**जानि/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/क्लेक्टर डिप्टी कमिशनर/ऐडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा आसिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उम इलाके का सब-डिविजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीप)।

परिणित II

उम्मीदवार-सूचना-पुस्तिका

इस पुस्तिका का उद्देश्य आपको रीपक्षा के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देना है ताकि आपको परीक्षा के स्वरूप की जानकारी न होने के कारण कोई हानि न पहुँचे।

परीक्षा का समय 3 घंटे का होगा। परीक्षा का स्तर इस प्रकार का होगा कि किसी भारतीय विश्वविद्यालय की एम० बी० बी० ए० डिग्री प्राप्त उम्मीदवार अधिकांश प्रश्नों का उत्तर दे सके। इसमें निम्नलिखित होंगे—

(1) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ध्वनि विज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी,

[(ii) शिशुरोग विज्ञान सहित सामान्य आयुर्विज्ञान,

(iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयु-विज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, और

(iv) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान।

परीक्षा का स्वरूप

परीक्षा 'वस्तुपरक' या 'बहु विकल्प उत्तर' प्रकार की होगी। प्रश्न-पुस्तिका में बहुत से प्रश्न छपे होंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दायी ओर 4 या 5 संभाव्य उत्तर छपे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिये एक और केवल एक उत्तर होगा।

उत्तर देने की विधि

प्रश्नों के क्रमांक 1, 2, 3, आदि होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए वैकल्पिक उत्तर '1', '2', '3', '4', आदि के रूप में अंकित होंगे। उत्तर लिखने के लिए आपको अलग से एक उत्तर-पत्रक दिया जाएगा। (इस पुस्तिका के अन्त में उत्तर पत्रक का नमूना देखिए)। उत्तर पत्रक के ऊपर प्रश्नों के क्रमांक दिए रहेंगे और प्रत्येक संख्या के दायी ओर आपके उत्तर के लिए जगह निविष्ट रहेगी। पहले इस बात का निर्णय कीजिए कि प्रत्येक प्रश्न के लिये दिए गए उत्तरों में से कौन सा सही या सर्वोत्तम उत्तर है तब आप उत्तर के लिए निविष्ट जगह में आपने जो उत्तर चुना है उसकी संख्या लिख दें (उदाहरण के लिए नमूना उत्तर पत्रक पर देखिए)।

कृपया नोट कर लें कि आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही उत्तर देना है। यदि आप किसी प्रश्न के लिए एक से अधिक उत्तर देते हैं तो उसके लिए आपको कोई अंक नहीं दिया जाएगा। आपके उत्तरों में से एक सही ही क्यों न हो। यदि आप गलत उत्तर देते हैं और अपना उत्तर बदलना चाहते हैं, तो गलत उत्तर को पूरा काट दीजिए और साफ साफ सही उत्तर लिखिए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

(i) आपको परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँच कर तुरंत अपनी सीट पर बैठना होगा। यदि आप समय पर नहीं पहुँचते हैं तो संभव है कि आपको परीक्षा भवन में दिए जाने वाले कुछ अनुदेश सुनने का अवसर न मिले। प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से कुछ पहले ही दिए जाएंगे ताकि आप उन अनुदेशों को पढ़ कर उत्तर पत्रक पर आवश्यक विवरण दे सकें। इसलिए जैसा ऊपर कहा गया है, अगर आप समय पर नहीं पहुँच पाते हैं तो संभव है कि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निर्धारित समय आपको पूरा न मिल पाये।

(ii) परीक्षा आरम्भ होने के 30 मिनट बाद किसी को भी परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iii) परीक्षा आरम्भ होने के बाद 45 मिनट के पहले किसी को भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iv) परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। प्रश्न-पुस्तिका को परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। जो उम्मीदवार इस नियम का पालन नहीं करेंगे, वे दण्ड के पात्र होंगे।

(v) उत्तर पत्रक पर दिए गए उपयुक्त स्थान पर अपना अनुक्रमांक, परीक्षा-केंद्र, प्रश्न पुस्तिका का कोड नम्बर और क्रमांक साफ साफ लिखिए। उत्तर-पत्रक पर कहीं भी अपना नाम न लिखें।

(vi) परीक्षा कई भागों में विभाजित हो सकती है और प्रत्येक भाग के लिए अलग से अनुदेश दिए जा सकते हैं। अतः प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर जो अनुदेश दिए गए हैं उन सबको आप सावधानी से पढ़ लें। चूँकि मूल्यांकन मशीन में किया जाता है। इसलिए अगर आप अनुदेशों का सावधानी से पालन नहीं करेंगे तो आपके नम्बर कम हो सकते हैं। उत्तर पत्रक पर कोई भी प्रविष्टि सविध हो तो उसके लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा।

पर्यवेक्षक के द्वारा दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक आपको किसी परीक्षा या परीक्षा के किसी खंड को आरंभ करने या समाप्त करने को कहें तो आपको उनके अनुदेशों का तुरन्त पालन करना होगा।

- (vii) अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लायें। साथ ही एक पेन्सिल और नीली या एक काली स्याही वाली कलम भी लाएं। आपको कागज का कोई टुकड़ा या रूढ़ी कागज, पैमाना या ग्राह्य की सामग्री परीक्षा भवन में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि उनकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कच्चे काम के लिए उत्तर पत्रक पर ही जगह दी गई है। उत्तर स्याही से लिखिए, पेन्सिल से नहीं।

कुछ उपयोगी सकेत

यद्यपि इस परीक्षा में गति की अपेक्षा शुद्धता पर अधिक बल दिया जाता है, फिर भी आपके लिए यह सहायपूर्ण है कि आप, जहाँ तक समय हो, कम से कम समय लें। आप लापरवाही के बिना और सतुलन के साथ जल्द से जल्द आगे बढ़ें। यदि आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकते हैं तो परेशान न हों। जो प्रश्न आपको बहुत कठिन लगें, उन पर ज्यादा समय न लगाएं। बाकी प्रश्नों को पहले करें और कठिन प्रश्नों को बाद में।

प्रत्येक प्रश्न के लिए सहाय्य उत्तर दिए गए हैं। इसलिए हो सकता है कि जिन प्रश्नों के उत्तर आपको ठीक-ठीक मालूम नहीं हैं, उनका अनुमान लगाने के लिए आप सोचने लग जाएँ। पहले उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें जिनके बारे में आप निश्चित हों। यदि आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ नहीं जानते हैं तो उसे खाली छोड़ देना ठीक रहेगा। ऐसे प्रश्नों को छोड़ने से आपको अच्छे अंक मिल जाएंगे बनिश्चय इसके कि आप शून्य में अनुमान लगाने लगे। किन्तु जहाँ आप विवेकपूर्ण अनुमान लगाने भर की जानकारी रखते हों, वहाँ आप ऐसा कर सकते हैं।

ये प्रश्न आपकी जानकारी, सूझ-बूझ और विश्लेषिक योग्यता का अनुमान लगाने के लिए बनाए गए हैं, न कि याददाश्त का पता लगाने के लिए। यदि आप सगुन विषयों को सरसरी निगाह से देख लें तो लाभदायक होगा और आप आश्चर्य हो जाएंगे कि आप सबकुछ विषयों को अच्छी तरह समझते हैं।

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के माध्यम में जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके सक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं।

I रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु० 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1250-६० रो०-50-1600 (परिपोषित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिबध्तिन प्रैक्टिस निवेद भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दरे खाल हैं —

1—5 स्टेज	रु० 150—प्र० मा०
6—10 स्टेज	रु० 200—प्र० मा०
11—15 स्टेज	रु० 250—प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	रु० 300—प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबध्तिन या निषिद्ध करने हुए, समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य उच्चतर प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए, उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हों, उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारंभिक वेतन दिया जाएगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। अगर आवश्यक समझा जाए तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीक्षा की अवधि को सहायजनक ढंग में समाप्त करने पर वह अस्थायी हैमियत में उनको आगे धराला जाएगा।

(ग) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेशा नियमों में नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गेर अश्वामी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकाधिकारों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अंदर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ता सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) जो बात ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में कही गई है उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर पारितोषिक/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ट) प्रारंभ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रों/श्रोत्रधालयों में नियुक्त किया जाएगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों की किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(ठ) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्ते सहित पदोन्नति की संभावनाएँ —

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जो नियमित रूप से ग्रेड में नियुक्त होने के बाद पांच वर्ष का सेवा काल समाप्त करते हैं और जिनके पास भारतीय मेडिकल काउन्सिल अधिनियम 1956 की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में या तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंसिएटशिप योग्यताओं को छोड़कर) कोई चिकित्सा योग्यता हो [तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं में युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल काउन्सिल अधिनियम, 1956 की धारा 13(3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा] प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे जिसका वेतनमान रु० 1100-1800 (परिपोषित) होगा और समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबध्तिन प्रैक्टिस निवेद भत्ता भी मिलेगा।

(ड) कर्तव्य और दायित्व—

महायुक्त प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(i) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बाहों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।

(ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवारों और मेदारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।

(iii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।

(iv) वह विकेताओं की जांच करेगा।

(v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।

(vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सबद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियाँ और माग पत्र तैयार करेगा।

(vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

नोट (1) — जब महा० प्र० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे महायुक्त देना किन्तु विशेष रूप से उनको कुछ कार्यों और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2) — महा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा (अ० का० स्वा० से०) में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद—

(क) पद श्रृंखला 'क' में अस्थायी है किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबद्धित प्रेक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० भ०)। इस समय दर निम्नलिखित है —

1—5 स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
6—10 स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
11 स्टेज से आगे	रु० 250/- प्रतिमास

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से वो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि मध्यम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा अवधि सतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उसे स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक अस्थायी हैमियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रेक्टिस करना मना है।

(ङ) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बखले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर —

(I) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/महायुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं।

वरिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/महायुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान

के लिए पात्र होंगे। वेतनमान रु० 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्न लिखित बरो पर प्रेक्टिस निषेध भत्ता—

1—3 स्टेज	रु० 250/- प्रतिमास
4—5 स्टेज	रु० 300/- प्रतिमास
6—7 स्टेज	रु० 350/- प्रतिमास
8—9 स्टेज	रु० 400/- प्रतिमास
10—11 स्टेज	रु० 450/- प्रतिमास

II सुपर टाइम ग्रेड-II—प्रधान चिकित्सा अधिकारी उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड II में पदोन्नति के लिए विचार किए जा सकते हैं। वेतनमान रु० 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्र० नि० भ०।

III सुपर टाइम ग्रेड I—निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा 3 वर्ष की सेवा पूरी करने पर रु० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रेक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड I में नियुक्त के पात्र होंगे।

(छ) कार्य-स्वरूप—(1) महायुक्त चिकित्सा अधिकारी,

(1) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाहों के विभागों के अतर्गत रोगियों और औषधालयों/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।

(ii) वे लागू नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए भ्राने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करेंगे।

(iii) वे सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।

(iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

(v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

(vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी० बी० ओ० ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० के निर्देशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी महायुक्त करेगा।

(ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनिक कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की महायुक्त करेगा।

(ग) समय समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।

(घ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

(ङ) व०चि०अ०—व०चि०अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

- (च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करने रहेंगे।
- (छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (ज) वे किसी सविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।
- (3) मुपर टाइम ग्रेड II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी।
- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उन के सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी छुट्टी या दौरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।
- (ग) प्र० चि० अ०—प्र० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा देने रहेंगे।
- (ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (च) किसी सविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे।
- (4) मुपर टाइम ग्रेड I—स्वास्थ्य सेवा निदेशक
- (क) चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—ध्यवसायिक और प्राविधिक—समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक सगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रवर्त प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।
- (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदन/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।
- (घ) सघ लोक सेवा आयोग में वह सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- (ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।
- (च) वह स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त प्र० चि० अ०, व० चि० अ० और स० चि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd September 1977

No. P-1776/Admn II—Shri K. S. Nayak, formerly lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta who was earlier appointed as Programmer (the post since re-designated as Senior Programmer) in the office of the Union Public Service Commission with effect from 2-3-76 to 31-8-77 vide this office notifications of even number dated 27-3-76, 9-6-76 and 23-2-77, has been allowed to continue in the said post for a further period of six months w.e.f. 1-9-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st October 1977

No. A. 32011/1/77-Admn III—In continuation of this office notification of No. A. 32014/1/77-Admn. III(1) dated 5-8-77, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32011/1/77-Admn III—In continuation of this office notification of No. A. 32014/1/77-Admn. III(1) dated 17-9-77, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 11-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32011/1/77-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 12-10-77 to 11-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32011/1/77-Admn III—The President is pleased to appoint Shri D. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 5-10-77 to 19-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th October 1977

No. PF/P/2-G.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. D. Punhani, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, who was on deputation to the India Tourism Development Corporation, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1977.

SHRI NIVAS
Under Secy
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th October 1977

No. A-19019/1/77-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Bawa IPS (Punjab—1951) as Joint Director, C.B.I. and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment New Delhi with effect from the forenoon of 27-9-77 and until further orders.

The 7th October 1977

No. R-11/72-Ad. V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. Srinivasan, P.P., C.B.I. as Senior Public Prosecutor in the C.B.I. with effect from the forenoon of 22nd September, 1977, until further orders.

The 10th October 1977

No. A. 19021/3/77-Admn 5.—The President is pleased to appoint Shri Trimath Mishra an I.P.S. Officer from Uttar Pradesh Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the afternoon of the 24th September, 1977, on deputation basis, until further orders.

BHUDEB PAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 6th October 1977

No. O II-1001/72-Estt.—On the expiry of 87 days LPR w.e.f. 6-5-77 to 31-7-77 granted to him, Shri Shreedharan Nair, Dy. S. PGC (Pallipuram) CRPF retired from service in this Force w.e.f., the afternoon of 31-7-77.

2. This Dte General Notification No. O II-1001/72-Estt dated 18-7-77 is hereby cancelled.

No. O II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen, as Junior Medical Officer in the CRPF, on an *ad-hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 19th September 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 7th October 1977

No. O II-1093/73-Estt.—On the expiry of 31 days LPR w.e.f. 1-10-77 to 31-10-77 granted to him, Shri Vithal More, Dy. S.P., 23rd Bn. CRPF will retire from service in this Force w.e.f. the afternoon of 31-10-77.

No. O. II-1075/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Yakash Kumar Singh Pandhir, as General Duty Officer, Grade II (Dy. S.P./Coy Comdr) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-10-1977 until further orders.

The 10th October 1977

No. O II-41/69-Estt.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Dubey, Commandant on promotion as Deputy Inspector General of Police in the C.R.P.F. in a temporary capacity until further orders.

2. Shri Dubey took over charge of the post of DIGP, C.R.P.F., Gauhati on the afternoon of 15th September, 1977.

No. O. II-1000/72-Estt Consequent on his retirement from Govt. service, Shri Attar Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 55 Bn., C.R.P.F., on the afternoon of 30-9-1977.

The 11th October 1977

No. O. II-1055/77-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Gulab Chand Gandhi relinquished charge of the post of General Duty officer, Grade-I, Base Hospital 2 CRPF Hyderabad on the afternoon of 9th September, 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 4th October 1977

No. E-29020/7/77-GA-II—Shri Satyendra Singh, a permanent Assistant of Ministry of Finance (Defence), presently on deputation to CISF w.e.f. 30-11-74 (AN) as Section Officer, is appointed as Section Officer substantively on transfer basis w.e.f. the Forenoon of 23 September 1977.

I. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 7th October 1977

No. 10/13/76-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, an Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as an Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad-hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, at Lucknow, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7 September 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri M. Panchapakesan, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu and Pondicherry, at Madras, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad hoc* basis, in the same office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in that office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 9th September, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sharma, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Delhi, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad-hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Andaman and Nicobar Islands, at Port Blair, as Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 8 September 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I—The President is pleased to appoint Shri M. K. Ahuja, an Investigator in the office of the Registrar General, India, and presently working as a Research Officer on *ad-hoc* basis in this office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in this office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 9 September 1977, until further orders.

2. His headquarters will be at New Delhi.

3. He relinquished charge of the post of Research Officer, held by him on *ad-hoc* basis, with effect from the same date.

No. 11/1/77-Ad. I—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad. I dated 9-6-1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. K. Majumdar, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, West Bengal in the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, for a further period from 18-10-1977 to 31-12-1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

No. 11/1/77-Ad. I—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad. I dated 9-6-1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri B. D. Sharma, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, in the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, UT of Chandigarh, for a period of three months with effect from 1-10-1977 to 31-12-1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

R. B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 7th October 1977

F. No. BNP/E/8/M-6—In continuation to the Notification of even number dated 7-6-77, the *ad hoc* appointment of Shri M. T. Narayana as Deputy Control Officer, in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months with effect from the forenoon of 7-9-77 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I. WEST BENGAL.

Calcutta-I, the 11th October 1977

No. Admn. I/1038-XV/2382—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacitating capacity with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in the Office of the A.G. Central, Calcutta until further orders.—

S/Shri		
1. Dilip Kumar Mukherjee	With effect from	10-10-77 A.N.
2. Champai Murmu	With effect from	10-10-77 A.N.
3. Jatindra Chandra Sarkar	With effect from	10-10-77 A.N.
4. Nirmalendu Chakravorty	With effect from	10-10-77 A.N.

The above mentioned officers on being released of their present charges may report to Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Office of the A.G. Central for taking charge as Accounts Officers against the existing vacancies in their office.

The inter-se-seniority of the Officers will be indicated in due course.

P. BANDYOPADHAYA
Sr. Dy. Accountant General
(Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 7th October 1977

No. 3388/A. Admn./130/75-77.—The following officers of the Audit Department, Defence Services, have retired from service on the dates shown against each.—

Sl. No.	Name	Date of retirement
1.	T. Mahadevan Sub. A. O.	31/8/77 (AN)
2.	S. H. S. Thapar, Sub. A. O.	31/8/77 (AN)

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 3rd October 1977

No. 71019(9)/77/AN-II.—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1975, the President is pleased to appoint Shri Virendra Diwan as probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 2-11-1976 (F.N.).

V. S. BHIR
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 10th October 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/305/55-Admn. (G)/7223—The President is pleased to appoint Shri K. P. Narayan, permanent Controller of Imports and Exports (Class II) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta with effect from the forenoon of 26th August, 1977, until further orders.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 30th August 1977

No. A-19018/272/77-Admn.(G) —On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Tapan Kumar Bandopadhyay as Deputy Director (Chem) in the Small Industries Development Organisation, New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1977 and until further orders.

2. Consequent upon the appointment, Shri Tapan Kumar Bandopadhyay has assumed charge of the post of Deputy Director (Chem) in Small Industries Service Institute, Cuttack, Orissa on the forenoon of 1st August, 1977

The 6th September 1977

No. 12/506/63-Admn (G) —Consequent upon his reversion Shri R. P. Chugh, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech) which he was holding on *ad hoc* basis, in the Office of the Small Industries Service Institute Okhla, New Delhi on the forenoon of 1st July, 1977

2. Shri R. P. Chugh assumed charge of the post of Assistant Director (Gr I) in the forenoon of 1st July, 1977 in the same Office.

The 6th October 1977

No. 12(226)/61-Admn. (G) —The President is pleased to appoint Shri G. D. Duggal, Deputy Director (Mechanical) as Director (Gr II) (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation on an *ad hoc* basis for the period from the afternoon of 23rd May, 1977 to 31st December 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier

2. Consequent upon his appointment as Director (Gr II) (Mechanical) Shri G. D. Duggal, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the SISI Ludhiana with effect from the afternoon of the 23rd May, 1977 and assumed charge of the post of Director (Gr II) (Mechanical) in the same office with effect from the afternoon of the 23rd May, 1977.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 7th October 1977

No. A-1/1(1061) —The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. K. Ghosh to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 17th September, 1977 and until further orders

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 10th October 1977

No. A-15/28(631)/77 —The President is pleased to appoint Shri K. S. Ramamurthi, an officer of the Central Information Service, as Director (Complaints & Public Relations) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi (Scale Rs. 1500—1800) on a pay as for Deputy Secretary with effect from the forenoon of the 1st October 1977 and until further orders

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th August 1977

No. A. 19011(221)/77-Estt A —The President is pleased to appoint Shri R. B. Deshmukh to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th August, 77 until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st October 1977

No. 4611/B/40/59/C/19A —Shri Anantadeb Mukherjee, Assistant Administrative Officer (*ad-hoc*), Geological Survey of India is reverted to the post of Superintendent in the same department with effect from the forenoon of 19-8-1977 (forenoon).

V. K. S. VARADAN
Director Gen

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 10th October 1977

No. C-5283/707 —The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810 —EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as shown against each :—

Name and Designation	Unit/Office	With effect from	Remarks
1. Shri Naresh Kumar Surveyor Sel Gd	No. 58 Party (WC) Ajmer	21st Sep '77 (FN)	—
2. Shri Mohan Lal Draftsman Div. I Sel Gd.	No. 11 Drawing Office (SEC), Bhubaneswar	1st August '77 (FN)	—

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1977

No. 5/7/68-SJ —The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajnish Prasad Mishra as Programme Executive, All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with effect from 10th August 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 10th October 1977

No. 10/76/77-SIII —The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri A. Subba Rao to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Gulbarga with effect from 26-8-1977

CORRIGENDUM

No. 10/12/72-SIII —The words "91 days" appearing in the last line of the notification No. 10/12/72-SIII dated 9-8-77 may be read as "121 days".

The 11th October 1977

No 10/40/77-SII—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. R. Bhatnagar to officiate as Assistant Engineer at HPT All India Radio, Khampur w.e.f 5-9-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 11th October 1977

No 10/117/77-III—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. B. Mahato to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Muzaffarpur, w.e.f 28-6-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 6th October 1977

No 8/65/50-Est I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay has appointed Shri S. P. Raman, permanent Cameraman, Films Division, New Delhi to officiate as Newsreel Officer in the same office with effect from the forenoon of 19th September, 1977 *vice* Shri Abnash Ram, Newsreel Officer, Films Division, New Delhi retired from service.

No. 6/64/56-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri M. V. Devidasan, Officiating Layout Artist in the Films Division, Bombay to officiate as In-Between-Animator on *ad-hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 10th October, 1977 *vice* Shri M. A. Narvekar, granted leave

No 2/4/68-Est I.—Shri M. L. Sethi, Officiating Production Manager, Films Division, Bombay reverted to his substantive post of Unit Manager in the afternoon of the 17th September, 1977

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 10th October 1977

No. A 12026/8/77-Est—The DAVP hereby appoints Shri Khairati Lal Verma, a Distribution Assistant of this Directorate, to officiate as Assistant Distribution Officer in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 30th September, 1977 (forenoon), until further orders

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th September 1977

No. A 19019/46/77-CGHS I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Malina Parsad to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt Health Scheme, Patna on temporary basis with effect from the forenoon of 12-8-1977.

N. S. BHATIA
Deputy Director Admn (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION (BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 14th September 1977

No F.74/15/72-DI—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956, (ii) 83, dated the 29th July 1961, (iii) 3752, dated the 26th December 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Sarvaswathi N. Gopal, Marketing Officer, Calicut, P. Ramachandran Nair, Assistant Marketing Officer, Mangalore and V. Balarama Murthy, Marketing Officer, Bangalore to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil and Lemongrass Oil which are graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules 1954, as amended from time to time and the Export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 7th October 1977

No 4-7(2)/74-A III—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group III), Shri P. S. Krishnan handed over charge of the post of Chief Chemist in this Directorate at Madras in the afternoon of 14-9-1977

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, 21st September 1977

No PPED/3(262)/76-Adm/13048—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk on this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 1, 1977 to the afternoon of October 11, 1977 *vice* Shri T. T. Pishori, Assistant Personnel Officer deputed for training

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 21st September 1977

No NAPP/Adm/1(46)/77-S/10207.—Consequent upon expiry of his deputation terms, Shri Ramayan Prakash Srivastava Naib Tehsildar of the Office of Board of Revenue, Lucknow UP on deputation as Land Management Officer in this Project relinquished charge of his post on reversion to parent department in the AN of Aug 26, 1977.

G. G. KULKARNI
Sr. Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 26th September 1977

No DPS/23/8/77-Est—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer of the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate, in the scale of pay of Rs 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from 2-5-1977 to 12-8-1977 (AN)

No DPS/23/8/77-Est./29901—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, Accountant in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—880—EB—40—960 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from 2-5-77 (FN) to 12-8-77 (AN) *vice* Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer-II

V. P. CHOPRA
for Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th October 1977

No. HWPS/Estt./1/G-39/5405—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yashwant Purshottam Ghatpuri, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity, on an *ad hoc* basis, from October 3, 1977 (FN) to November 10, 1977 (AN) *vice* Shri R. N. Ramchandani, Assistant Personnel Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur the 7th September 1977

No TAPS/1/19(3)/76-R—In continuation of this office Notification of even No dated 18-5-77 the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar a Temp Accountant as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely *ad hoc* basis for a further period from 2-6-77 to 27-6-77.

The 13th September 1977

No TAPS/1/18(3)/77-R—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. K. P. Pillai, Personal Assistant, Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis for the period from 5-9-1977 to 11-10-1977 *vice* Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer deputed for Training

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY (CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 28th September 1977

No APA/Adm/2/10/76—The Chairman-cum-Chief Executive hereby appoints Shri S. Krishnan, an officiating Assistant Personnel Officer in this office as Assistant Personnel Officer in a substantive capacity with effect from August 1, 1977.

S. MURALI
Chief Adm & Accounts Officer
for Chairman-cum-Chief Executive

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th October 1977

No E(I)06106—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Dayal, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 89 days with effect from 20-9-1977 to 17-12-1977

Shri Dayal, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

1—306GI/77

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th October 1977

No A 32013/8/77-EC—The President is pleased to appoint Shri B. S. Grewal, Assistant Director of Communication (Headquarters) Civil Aviation Department as Controller of Communication on *ad hoc* basis with effect from the 19-8-1977 (FN) and upto the 30-4-1978 or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post him at Aeronautical Communication Station ACS, Calcutta Airport, Calcutta

P. C. JAIN
Asstt Dir of Admn

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th October 1977

No 1/439/77-EST—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Niskar, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 10-5-1977 to 2-7-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy

No 1/311/77-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the following periods—

(1) from 3-1-1977 to 6-2-1977.

(2) from 15-7-1977 to 30-7-1977

against a short-term vacancies.

No. 1/338/77-FST—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Bose, Superintendent, New Delhi Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 27-6-1977 to 12-8-1977 (both days inclusive), against a short-term, vacancy

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 10th October 1977

No 16/262/77-Estt-I—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Anup Kanti De as Assistant Engineer (Mechanical) at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun with effect from the afternoon of 3rd October, 1977 until further orders.

No 16/265/77-Estt-I—The President, Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun has been pleased to appoint Shri M. Padmanabha Reddy an officer of Andhra Pradesh Forest Department, as Research Officer under the DANIDA/INDIA Project on Tree Improvement, Hyderabad with effect from the forenoon of 8th September, 1977 until further orders.

No 16/268/77-Estt-I—The President, Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun has been pleased to appoint Shri V. K. Gupta, Research Assistant Grade-I as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun with effect from the forenoon of 25th July, 1977 until further orders

No 16/269/77-Estt-I—The President, Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Janeshwar Daval Jain as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun on regular basis with effect from 25th July, 1977, until further orders

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv,

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMS**

Patna, the 7th October 1977

C. No. II(7)1-ET/77/11864—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance Department of Revenue, New Delhi's order No. 113/77 dated 1-8-77 the following probationers on completion of training, appointed to the Indian Customs and Central Excise Service Group 'A' on basis of the results of the IAS etc. examination, have assumed charge as Superintendent Group "A" Customs Patna Collectorate as indicated below —

Name of Officers	Date of Joining
1 Shri Shushir Kumar	22-8-77
2, Shri Hrishikesh Sagan	10-8-77
3, Shri Rajendra Prasad	4-8-77
4 Shri Augustine Baa	12-8-77

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 5th October 1977

No. A-19012/2/77-Adm V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri I. R. S. Subramanyam, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-with effect from forenoon of 5-7-1977, until further orders

Shri I. R. S. Subramanyam assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Drought Area Study Sub-Division-III at Hyderabad under Superintending Engineer, Drought Area Study Circle No. II, Hyderabad, with effect from 5-7-1977 (F.N.).

J. K. SAHA
Under Secy
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS

RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-11, the 30th September 1977

No. EII/ES/CFM/Civil/O.—Shri M. D. Mahashabde, Officiating Assistant Design Engineer (B&S), Research Designs and Standards Organisation is confirmed as Assistant Research Engineer TRC-MG in class II in the same Organisation with effect from 8-7-1976.

G. N. BHATTACHARYA
Director General

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 30th September 1977

No. 15—Shri B. P. Goel, Officiating Senior Civil Engineer, (Construction) of this Railway retired from Railway service with effect from the afternoon of 31st August, 1977.

The 7th October 1977

No. 17—Shri Pritam Singh, workshop Electrical Engineer, Amritsar, has expired on 30-9-77

G. H. KESWANI
General Manager

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS**

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Swastik Benefits Pvt Ltd (in Liquidation)*

New Delhi-110001, the 11th October 1977

No. Lqn/3286/18396.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Swastik Benefits Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

R. K. ARORA
Asstt Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Manick Chand Bagri Limited*

Calcutta, the 11th October 1977

No. 16622/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Manick Chand Bagri Limited has this day been struck off and the said company is dissolved

S. C. NATH
Asstt Registrar of Companies,
West Bengal

**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX
NORTH EASTERN REGION**

Shillong-793001, the 14th October 1977

In pursuance of provision Sub-section (1) of Section 287 of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1976-77.

Sl. No.	Name and address of the Assessee	Amount in default.
1	M/s Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam	Rs. 2,47,941/-
2	Shri Durgadutt Sharma, C/o M/s Sharma Trading Corporation Jorhat, Assam	Rs. 8,37,424/-
3	Sheikh Mohammed Nawab, Jorhat, Assam.	Rs. 1,50,626/-
4	Late Israil Khan, Panchali, Dibrugarh, Assam	Rs. 2,47,307/-
5	M/s Mangal Chand Ramkumar & Co., Dibrugarh, Assam.	
6	Tolaram Bijoykumar (HUF), Dhubri, Assam	Rs. 1,24,661/-
7	S. Pritam Singh Ratan, Gali Gharialion, House No. 1507, Chowal Mandi, Amritsar.	Rs. 4,45,042/-

NOTICE

Names of assesseees who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on 31-3-77 showing the amounts in respect of which they are defaulters have been published in today's issue of this newspaper

Information by the public regarding assets and investments, if any, held by the tax defaulters in their own names or in those of their dependents or benaminders may please be furnished, in confidence, to the Commissioner of Income-tax concerned.

S. N. SEN,
Commissioner of Income-tax,
North Eastern Region,
Shillong.

FORM ITNS ———

(1) M/s General Fibre Dealers Pvt Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Readymoney Premises Co-operative Society Ltd.
(Transferee)

(3) Tenants & members of the Society.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th October 1977

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/1953-10/Feb 77.—Whereas I, F J FERNANDEZ, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No C.S. 2/123 of Lower Parel Divn situated at Dr. Annie Besant Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 1091/1974/ Bom. and registered on 1-2-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 11-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prafulla Chandra Barman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Suchitra Bhattacharya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1977

Ref. No AC-18/Acq R-IV/Cal/77-78 —Whereas I, A N BHATTACHARYYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

162/D/570/1, situated at Lake Gardens, Cal-45

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 3 K. 32 Sft. situated at 162/D/570/1, Lake Gardens, Calcutta-45.

A. N. BHATTACHARYYA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Kishori Lal Syal S/o Sh Lashkari Mal Syal,
Central Mill, Near Sant Cinema,
Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th October 1977

(2) M/s Thakar & Sons,
G T Road, Jullundur C/O Thakur Ravi Raj Singh,
457-New Jawahar Nagar,
Jullundur City

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No AP-1718.—Whereas I, B. S DEHIYA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No

As per Schedule,

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering officer at

Jullundur on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed
No 518 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 13-10-1977.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th October 1977

Ref. No AP-1719—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jaswant Singh S/O Hari Singh,
C/o New Suraj Transport Co., Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur D/O Dasounda Singh
108, L, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 742 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 13-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th October 1977

Ref. No. 309/Acq/Agra/77-78/3795.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishan Aora Son of Rushan Das Aora
R/o Subhash Nagar Colony, Nai ki Mandi,
Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Shriram Madan and Ravi Kumar Madan,
Sons of Shri Gurditta Ram Aora,
Resident of Katia Neel Bazar, Nai Ki Mandi,
Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No 3/50 situated at Khandari Road (Raja Balwant Singh Road), Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 54,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kanpur

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st October 1977

Ref No. ASR/25/77-78.—Whereas I, S. K. GOYAL under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No land, situated at Tungpau, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City-Amritsar in Feb, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Devi w/o Khatatti Lal
Sh. Bahraj s/o Nagarmal, Amritsar

(Transferor)

- (2) M/s D. K. Printing Mills through Sh. Balbir Chand Mehra,
61, Beri Gate, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 plot measuring land area of 1134 sq yds & 609 sq. yds Tung Pail Amritsar as mentioned in the regd deed No. 1557 & 1559 of Feb 1977 of Registering Authority Amritsar City

S. K. GOYAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baldev Raj S/o. Sh. Gian Chand C/o Mahajan Textiles I/side Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar and Ashwani Kumar, S/o Chaman Lal Kt Dulo Amritsar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1977

Ref No ASR/26/77-78—Whereas, I, S K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Kothi No 343, situated at Shiwala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at City Amritsar in Feb., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

12—306GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kothi No 343, Shiwala Road, Amritsar as mentioned in the regd. deed no 1491 of Feb 1977 of Registering Authority City Amritsar

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-10-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1977

Ref No ASR/27/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land, situated at Cooper Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at City Amritsar in Feb 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chuni Lal S/o. Sh. Ram Narain, The Mall, Tonga Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jwala Dass, Krishan Lal, Subhas Chander Ss/o Shri Ram Dass, Cooper Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yards cooper road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1494 and 1495 of Feb. 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1977

Ref. No ASR/28/77-78 —Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. land, situated at Vill Mehdipur Tehsil Patti, Distt Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti, in Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Asa Singh S/o Sh Jiwan Singh r/o Vill. Mehdipur, Tehsil Patti. Distt. Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri Pakhar Singh, Darshan Singh, Sukh Chain Singh & Resham Singh Ss/o Sh Kartar Singh s/o Sh Hukam Singh, r/o Vill Mehdipur Tehsil Patti Distt. Amritsar

(Transferees)

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

K M

Agricultural land measuring 109 - 7 at vill. Mehdipur tehsil Patti, Distt, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 626/1 of Feb. 1977 of Registering Authority, Patti, Distt. Amritsar

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 11-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 11th October 1977

Ref No ASR/29/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 55 Min, situated at R. B. Parkash Chand Road, Near Police Line, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar on Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Jatinder Aggarwal, Sh. Satish Kumar, Shri Pawan Kumar Sh. Narinder Kumar, s/o Sh Kundan Lal & Miss Rita d/o Sh. Kundan Lal, Smt Agyawati wd/o Sh. Kundan Lal R/o 220 Pawan Mahal New 11 Road Chambur Bombay-71.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Gambhir w/o Sh Mohinder Singh, 7- Amartola Street Calcutta-1

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Plot No. 55 min measuring 528 sq. yds. situated at R. B. Parkash Chand Road near Police lines, Amritsar as mentioned in the regd deed No 1426 of Feb 1977 of Registering Authority, Amritsar City

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 11-10-1977
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th September 1977

Ref. No Raj/IAC(Acq.)/372 —Whereas, I, CHUNI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 9 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 19th February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gulzar Hassain & Shri Yusuf Ali
Sons of Shri H. M. Hassain,
Radha Villas Kothi, Kota.

(Transferor)

- (2) Shrimati Jehra Bai W/o Shri Fida Hassain
Radha Villas Kothi, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building built on a part of Plot No 9 at New Motor Market (Show Room, south wing) Registered by Sub-Registrar, Kota vide his Entry No 117 dated 19th February, 1977.

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date 29th September, 1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Gulzar Hassain & Shri Yusuf Ali
Sons of Shri H. M. Hassain,
Radha Villas Kothi, Kota

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Salma Bai W/o Shri H M Hatim Ali Bohia,
Radha Vills, Kota

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 29th September 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. Raj/LAC(Acq)/373.—Whereas, I, CHUNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 19th February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building built on a part of Plot No. 9 at New Motor Market (Show Room, in between south north wing) Registered by Sub-Registrar, Kota vide his Entry No 117 dated 19th February, 1977

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 29th September, 1977
Seal

FORM ITNS—

(1) Shrimati Ratan Prabha Jain W/o Shri Motichand Jain, Shastri Nagar, 19/4/A, Jodhpur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hastimal Kalal S/o Hazatimal Kalal, Arvind S/o Hastimal Kalal (Minor), Rajeshkumar (Minor) S/o Hastimal Kalal, Inside Sojati Gate, Jodhpur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/374.—Whereas, I, CHUNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No House No. 320 situated at Plot No. 119, Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur, on 21st Jan 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House No 320 situated on Plot No 119 known as "Bal Bhavan" near Subhas Chowk, Ratnada, Jodhpur
Date 11-10-1977

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date 11-10-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, 5th Oct., 1977

Ref No Acq 23-I-1335(603)/5-2/77-78 —Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Survey No 46, Plot No 10 & 11 situated at Holayana Marg, Gathada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gathada, Distt. Bhavnagar on 8-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Shriji Exhibitors, 335, Shallmar House, Grant Road, Bombay-7, through partners:—
 - (1) Shri Usmanbhai Abdbakar, Botadna Zanpe, Gathada.
 - (2) Shri Bilkishen Abdulrazak, through power of attorney holder Shri Abdulrazak Haji Valli Mahmad, Hanjar Villa, Club back Rd, Bombay.
 - (3) Shri Abdul Razakbhai Abubakarbhai, Davesht manzil, 123, Kabekar Street, Bombay-3.
 - (4) Shri Yakubhai Haji Gani, Hanjar Villa, Club Back Rd, Bombay

(Transferor)

- (2) M/s Shree Exhibitors, through Partners—
 - (1) Smt. Bhagirathiben Manubhai Pandya,
 - (2) Shri Anantray Manubhai Pandya, C/o Shreechitra, Ajenda Bhuvan, Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 873 sq. yds bearing S No 46, Plot Nos. 10 & 11, situated at Holyana Marg, Gathada Village, Gathada Taluka and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No 122/77, dated 8-2-1977 by registering officer, Botad

S C PARIKH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-10-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th October 1977

Ref No Acq 23-I-1336(604)/11-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No. 7 situated at Veraval to Chowad Road, Just opposite S T Bus Stand Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Veraval on 1-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—306G/I77

(1) Shah Chimanlal Keshavn, M/s Nalimkant & Co.,
1/1/A, Old Hanuman Cross Lane, Bombay-2

(Transferor)

(2) Dr Kantilal Devsibhai Raja, (Children Specialist)
Medical Practitioner, Opposite Station, VERAVAL

(Transferee)

(3) As per S No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1078.5 sq. gaj bearing Plot No. 7 situated on Veraval-Chowad Road, Veraval, and as fully described in sale deed registered vide Regn No 301, dated 1-2-1977 by Registering Officer, Veraval.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Himwal

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar

(Transferee)

(3) Shri Madan Mohan

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th October 1977

Ref. No 74-A/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Three Storeyed house situated at Ram Nagar Kesara Line Distt Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3-2-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Three storeyed building situated at Ram Nagar Kesara Line Distt. Nainital.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saradindu Basu

(Transferor)

(2) Janta Sehkari Grah Norman Samiti Ltd.

(Transferee)

(3) Shri S. Basu & his family

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1977

Ref No. 80-B/Acq—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot including Bungalow situated at 3, A. P. Sen Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-2-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot including Bungalow measuring 55,700 sq. ft. situated at 3 A P Sen Road, Lucknow

A S BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 10-10-1977

Seal .

FORM ITNS—

1. Sri M. Anandam, 2. Sri I. S. Sharma, both residents of Khaleelwadi, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri B. Subhash Reddy, Advocate, Police Lines Road, Kanteshwar Road, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1977

Ref. No. RAC.No 106/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 5-7-665, Plot No 9 situated at Yellammagutta Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nizamabad on 15-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 9 bearing M. No. 5-7-665 situated at Yellammagutta, Nizamabad, total area 354.89 Sq Yds. registered vide Document No 417/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 11-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No 107/77-78.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6-3-1219/44 situated at Begumpet., Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 21-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Sri Umakaran Tejkarar,
H No. 8-2-547 at Banjara Hills,
Hyderabad.
2 Sri Tej Karan S/o late Sri Dharam Karan,
H No. 8-2-547, Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri B Ramendra Reddy, (Managing Director),
H No. 6-3-1219/44, Umanagar, Begumpet,
Hyderabad
(Transferee)
- (3) Sri Bindal,
Partner in M/s Indian Roadways, Balanagar,
Hyderabad
(Person in occupation of the property)
- (4) The Divisional Manager,
LIC of India, Secretariat Road,
Hyderabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H No 6-3-1219/44 on plot No 44 admeasuring 456 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 442/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad, Hyderabad, bounded on the
North M No 6-3-1219/43
South Raja Jitendar Prasad Rao,
East Land of Nawab Habib Jung,
West Public Road

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No RAC No 108/77-78 —Whereas, I, K S. VENKATARAMAN, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. F. No 836/A situated at Rampur, Kareemnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kareemnagar on 15-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Qureesha Begum,
W/o late Sayed Badruddin,
2. Smt Kulsummunisa Begum,
W/o Mohd Abdul Jabbar,
3. Sri Sayed Budruddin,
S/o Syed Khadar Mohuddin,
All three residing at Kareemnagar

(Transferor)

- (2) 1. Sri Billa Raju Reddy,
S/o Singa Reddy,
2. Sri Chada Peddi Reddy,
S/o Laxma Reddy,
3. Sri Bunda Ramreddy,
S/o Krishna Reddy,
All three residing at Kareemnagar
4. Sri Kariveda Linga Reddy,
S/o Malla Reddy,
Kareemnagar.
5. Sri Chada Krishnareddy,
S/o Laxma Reddy,
Kareemnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S.F. No. 836/A situated at Rampur, Kareemnagar total area of land 5.31 Acres registered vide Document No 562/77 in the Office of the Sub-Registrar Kareemnagar

K S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date - 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No. RAC. No. 109/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 7-2-860/Plot No 14 situated at General Market Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri E. Laxman Rao,
S/o E. Narasimhaloo,
R/o Shamshabad,
Hyderabad Dist.

(Transferor)

2. Smt. Sheela
W/o Naraindas Lalwani,
1st Floor, Raja Bhawan, Pan Bazar,
Secunderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi bearing M. No 7-2-860 in Plot No 14 General Bazar, Secunderabad, admeasuring 43 Sq. Yds. registered vide Document No. 201/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No RAC No 110/77-78 —Whereas, I, K S VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No
137 and 138 situated at S D Road, Secunderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Secunderabad on 15-2-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Swastic Construction Co
at 111 S D. Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) Sri Krishna Bhoopal,
H No 3-6-416/3 at Himayannagar,
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 137 and 138 (50%) situated
at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad registered vide
Document No 222/77 in the office of the Sub-Registrar
Secunderabad.

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC. No. 111/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

137 and 138 (50%) situated at 111 S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 18-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

—305GI/77

- (1) Swastic Construction Co.,
at 111 S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Rama Bhoopal,
"Madhupala H. No 3-6-416/3 at Himayatnagar,
Hyderabad-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing M. No. 137 and 138 (50%) situated at 111 S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No 232/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Construction Co.,
at 111 S D Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Hanumanthchary,
H No 17-6-211 at Outside Dabulpura,
Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

(3) Minerals Director Development Division,
Dept. of Atomic Energy,
at 111 S D Road,
Secunderabad

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No 112/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 334 office situated at 111 S D Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 1-3-1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 334 on the IIIrd floor of Chandialok, at 111 S D Road, Secunderabad, registered vide Document No. 268/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 12-10-1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC. No. 113/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 329/330, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Construction Co., 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Sada Nanda Chary Represented by Smt. M. Krishnaveni, H. No 17-6-211 at Outside Dabbeerpura, Hyderabad

(Transferee)

(3) Director, Atomic Minerals Development Division, Dept. of Atomic Energy, at 111, S D Road, Secunderabad.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 329 and 330 (50%) in Chandra Lok complex IIIrd floor at 111, S D Road, Secunderabad, registered vide Document No 280/77 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No, RAC No. 114/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 329 & 330 (50%), situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastik Construction Co., 111, S. D. Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Sri M. Krishnaveni, W/o M. Bhadrach Chary, H. No 17-6-211, Outside Dabirpura, Hyderabad.
(Transferee)
- (3) Director, Atomic Mineral Division, Dept of Atomic Energy, at 111, S. D. Road, Secunderabad,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No 329 and 330 (50%) in Chandralok Complex at 111, S. D. Road, Secunderabad registered vide Doc. No. 281/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No. 115/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 311 & 312 (50%), situated at S.D Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastik Construction Co., at 111, S D Road, Secunderabad.

(Transferee)

(2) Sri M. Ramachari, H No 17-6-211, Outside Dabeerpura, Hyderabad

(Transferee)

(3) Director, Atomic Minerals Division, Deptt. of Atomic Energy, at 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises Nos 331 and 332 (50%) in the Chandralok premises on 111, 3rd floor at S. D Road, Secunderabad, vide Document No 283/77, registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No. RAC. No 116/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-1115/2 & 3, situated at Kachiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Vashi M Samthani, 2. Sri N. M Samtani, 3. Sri R. M Samtani, all partners in Shopper Plaza Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sahib S/o Sirumal Shahani, H. No. 3-4-362 Lingampally, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied Building with one room in the top floor and land measuring 377.49 Sq. Mts. M. No. 2-4-1115 (Old) and New No. 2-4-1115/2 and 3 at Kachiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 272/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111, S D Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. Leela S. Sanklacha, 18-A, Maneck, 11-Napean Road, Bombay-6

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No RAC. No 117/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 115 & 116 situated at S. D. Road, Secunderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises Nos 115 and 116 on the 1st floor of Chandialok complex situated at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide document No 233/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date - 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt M Rama Devi, H. No 6-3-1186 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No RAC No 118/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 208, 209 & 217, situated at S D Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No 208, 209, and 217 in IInd floor in Chandralok Complex, at 111, S D Road, Secunderabad, registered vide Document No 252/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A Gangabai W/o Sri B Raman at 3/4 East
Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) Shrimati Chodey Vijayalakshmi, W/o. Sri C Bala
Krishna, H No. 11-50/8, Mes Colony, Secundera-
bad-15

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No. RAC No. 119/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKA-
TARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No 8/89 and 8/90 situated at Alwal, Secunderabad,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on 28-2-1977

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—
15—306GI/77

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA in the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied Building Nos. 8/89 and 8/90 standing on
piece of land measuring 230 Sq Yds. in S. No. 182, plot No.
10 at Alwal Grampanchayat, Secunderabad, registered vide
Doc. No. 385/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hydera-
bad West.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gangabai, W/o Sri B. Raman H. No. 3/4 at East Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Vannemreddi Ramamohan Rao, 2 Sri V. S. N. Durga Prasad, guardian of his real father of V. Ramamohan Rao, both residing at Plot No. 1, Nanuram Colony, Tirmulgiy, Secunderabad-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref. No RAC No 120/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 8/87, 8/88 situated at Alwal, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 28-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises No 8/87 and 8/88 with Double storied building standing on piece of land measuring 240 Sq Yds in S No 182, plot No 10 at Alwal Grampanchayat, Secunderabad, registered vide Document No 384/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West

K S VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref. No 31/FEB/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 673/2 situated at Vadakkumalai Village, Madurai distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodu (Doc No 141/77) on 8-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Manickavachagam,
2 Shri Venkateswaran,
3. Shri Baskaran,
(minors by father and guardian Sl. No. 1)
4 Smt Paunthai
5 Smt Akilandam,
6 Smt Saraswathi,
7 Smt Gomathi Ammal,
8 Smt Damayanthi,
9. Shri Thirunavukkarasu (alias) Natturayan,
10 Smt Krishnaveni,
11 Smt Paramesvari
(By Power agent Shri Manickavachagam
No 113, Netu Theru, Dindigul) (Transferor)
- (2) Shri Vadamalai Rajapandian (minor)
by father & guardian Shri Kamaraja Pandian,
Ward No 2, Bodinayakkanur, Madurai district.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 acres and 67 cents in survey No 673/2, Vadakkumalai village, Bodinayakkanur, Madurai District (with coffee plantations and other trees).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date . 12 October 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref No 32/FEB/77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No 217 situated at Keelakkara, Ramanathapuram district (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keelakkara (Doc. No 139/77) on 14-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri N. M. M. Abdul Kader,
2. Shri N. M. M. Rahamatulla
3. Shri N. M. M. Bahlul Huq
by Power Agent Shri N. M. M. Abdul Kader,
South Street, Keelakkara.

(Transferor)

- (2) Thaika Ahamed Nubilu (minor)
by mother & guardian
Smt. S. M. Syed Ameena Bivi,
West Street, Keelakkara,
Ramanathapuram district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 40 cents in survey No 217, Ervadi Road, Keelakkara, Ramanathapuram district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref No 38/FEB/77—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Chettithangal village, North Arcot District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doosri (Doc No 133/77) on 17-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P. T. Subramania Mudaliar,
S/o Thantkachala Mudaliar,
Mullipattu village, Arni taluk.

(Transferor)

(2) Smt Neelambal,
W/o Ponnusamy Mudaliar,
No 27, Aladi Pillayar Koil Street,
Kanchipuram

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 63 cents as shown below in Chettithangal village, North Arcot District :

Survey No	Acre	Cent
87/5	0	70
87/6	0	06
85/8	0	15
98/4	0	29
95/4	0	45
104/2	0	20
105/3B	0	13
92/15	0	03
73/1	0	40
75/1	0	36
37/4	0	17
38/7	0	17
44	0	28
49/4	0	28
56/4	0	23
57/13	0	03
20/4	0	56
23/6	0	21
24/6	0	11
89/2	0	01
68/4	0	07
89/4	0	02
92/4	0	07
118/2	0	21
122/1A2/3A	0	23
99/5	0	13
113/2	0	45
111	0	26

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrās-6, the 12th October 1977

Ref No 39/FEB/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 146/1, 4 & 2 situated at Rasipuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc No 230 77) on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely,—

- (1) 1. Smt. Kalpagambal,
No 108, Breasts Road, Salem,
 2. Dr. R. Subramaniam,
C/o. Erskin Hospital, Madurai,
 3. Smt. Lalitha,
593, Sector 3, R. K. Puram, New Delhi,
 4. Smt. R. Lakshmi and
 5. Smt. R. Vimala,
(Sl Nos 2 to 5 by power of attorney agent
Sl. No. 1)
- (Transferee)
- (2) Shri Sengoda Goundar,
S/o. Athiappa Goundar (alias) Pattinathar,
Ward No. 1 Basipuram.
- (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 61 cents in survey Nos. 146/1 (3.41 acres with one well), 146/4 (1.16 acres) and 146/2 (0.04 acres with one thatched hut) at Rasipuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 12th October 1977

Ref No 16/FEB/77—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 67-A & 67-B situated at Dindigul Road, Palani town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Doc. No. 71/1977) on February 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shri Palanisamy Chettiar,
Arasan Chettipatty, Ayyaloor Village
- 2 Shri Venkatachalam Chettiar,
Sippoy Edal Theru, Palakkatai Trichy,
- 3 Shri Kaiuppusamy Chettiar,
Pazhayakadal Theru, Karur,
4. Smt Rajeswari Ammal,
Kolla Vadugar Veedhi, Melarani Street Trichy,

(Transferor)

- (2) Shri V. Ramalingam,
No 67-A & 67-B, Dindigul Road,
Palani town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 111 cents of land with building thereon at door Nos 67-A and 67-B (Survey No 60/1B & 60/1A), Dindigul Road, Palani (with all machineries and other fittings).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S Ramasamy,
S/o. Sundaram Pillai,
Chatram Street, Dindigul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Smt N A Kalani Achi &
2. Smt N. Visalakshi Achi,
No. 20, Mounspuram 2nd Street, Dindigul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1977

Ref. No. 17/FEB/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5 situated Chatram Street, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc No. 22/1977) on February, 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,683 sft with building thereon at door No. 5 (TS No 205) Chatram Street, Dindigul

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref No Acq F No 448 —Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing TS No 5, Block No 1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 5-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —
16—306G1/77

- (1) 1 Pillalamaru Subrahmanyam,
S/o Sundara Ramaiah,
G.P.A. Holder Sri Pillalamaru Venkata
Gopalakrishna Murthy,
- 2 P Satyanarayana Sastry,
S/o Sundara Ramaiah,
Kothapeta, Tenali

(Transferor)

- (2) Dr Patibandla Dakshina Murthy,
S/o. Kutumbarao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 164/77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the Fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref. No Acq F No 449—Whereas, I.N. K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No 5, Block No 1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 14-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Pillalamarri Sundara Sivudu,
S/o Sundara Ramaraj,
2 Smt P. Sawarajyalakshmi,
W/o Nageswararao,
3 Kum. P. Vasanta, P. Neeraja,
P. Ananta,
Minors by guardian mother Swarajya Lakshmi,
Kotha-peta, Tenali

(Transferor)

- (2) Dr. Patibandla Dakshinamurthy,
S/o Kutumbarao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 269/77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the Fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 3rd October 1977

Ref No Acq 1/ No 450—Whereas, I, N K NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

TS No 5, Block No 1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 2-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pillalamaitri Venkata Gopal Krishna Murty,
S/o Sundara Ramaiah,
Kothapeta, Tenali

(Transferor)

(2) Dr Patubandla Dakshina Murty,
S/o Kutumbarao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 171 77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the Fortnight ended on 15-2-1977.

N K NAGARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31d October 1977

Ref No Acq F No. 451—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 5/84 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

(1) Shri Govindaraju Venkata Srinivas,
S/o Venkata Chalapati Rao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

(2) M/s. Paper Engineering Services P Ltd,
Machilipatnam Road, Industrial Estate,
Vijayawada-520007

(Transferee)

(4) Sri G R Sastri,
Uppal, Hyderabad-39,

(person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 381/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-3-1977

N K NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 3rd October 1977

Ref No Acq F No 452—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 5/84 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 1-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Govindaraju Venkata Muralikrishna,
S/o Venkata Chalapati Rao,
GPA Sri G. V. Ramarao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

- (2) M/s Paper Engineering Services P. Ltd.,
Machilipatnam Road, Industrial Estate,
Vijayawada-7

(Transferee)

- (4) Sri G. R. Sastry,
Uppal Hyderabad

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 132/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977.
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref No Acq F No 453 —Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5/84 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-2-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Govindaraju Venkata Rama Rao,
S/o Venkata Chalapati Rao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services P Ltd
Machilipatnam Road Industrial Estate,
Vijayawada-520007

(Transferee)

(4) Sri G. R. Sastry,
Uppal, Hyderabad

(person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 133/77 Registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 3-10-1977,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ambati Jagannadham,
S/o. Totiah, 7-18-12, Vullithota Street,
Rajamundry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K A K Dakshina Murty,
46-7-7, Danavaipeta,
Rajamundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31d October 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ret No Acq F No 454—Whereas, I, N. K
NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs
25,000/- and bearing
No 24/193 & 46-7-7 situated at Rajamundry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajamundry on 3-2-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

EXPLANATION—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
282/77 registered before the Sub-Registrar, Rajamundry
during the fortnight ended on 15-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely —

Date 3-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Mynampati Laxmama,
W/o Ramaswamy,
325A, Mint Street, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE KAKINADA

(2) Shri Mamidi Narayana Rao,
S/o Pamidi Lingam Ratnam Oil Co.,
Gopalreddy Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

(3) 1 Branch Manager, Indian Bank,
2 Branch Manager, Carona Sahu Stores,
3 Branch Manager, Swastik Rubber Products Ltd
Gandhinagar, Vijayawada

(Person in occupation of the property)

Kakinada, the 31d October 1977

Ref No Acq F No 455—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 26-29-77 situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 142/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-2-1977

N K NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date 3-10-1977

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No Acq. F No 456.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing T. S No 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
17—306GI/77

(1) Shrimati Hamirunnisa Begum Saheba
alias Sardar Begum Saheba,
W/o Syed Jaharul Huq Saheb,
Seshayya Metta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shri Gorrela Sanyasi Rao,
S/o Chinnappa Swamy,
Innespeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 574/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No. Acq. F. No. 457.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. T. S. No. 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Hamirunisa Begum Saheba
alias Sardar Begum Saheba,
W/o Syed Jaharul Huq Saheb,
Seshayya Metta, Rajahmundry
(Transferor)
- (2) Shrimati Marada Venkata Satya Mohini Krishna
Kumari, W/o Tirupatirao, Innepeta,
Rajahmundry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 575/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No Acq F. No. 458.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. T. S No 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Hamirunnisa Begum Saheba
alias Saïdar Begum Saheba,
W/o Syed Jaharul Huq Saheb,
Seshayya Metta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shri Chalumaru Venkateswara Rao,
S/o. Apparao, Kothapeta,
Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 576/77 registered before the Sub-Registrar, Aajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-10-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satyanarayan Agarwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhabil Chand Bansal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 15th October 1977

Ref No 54/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas I, A N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. situated at Brahmani Tarang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panposh on 21-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The land is situated at Mouza-Brahmani tarang, P.S. Raghunathpali, Dist. Sundergarh under the jurisdiction of Sub-Registrar, Panposh and registered by sale document No 63 dated 21-1-1977.

A N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date - 15-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th October 1977

Ref No IAC/ACQ/47/77-78 —Whereas I, H C
SHRIVASTAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No585 Acres of land out of Khasra No 102, Mouza Dhaba,
Tah & Dist Nagpur

situated at Dhaba Tah & Dist Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Nagpur on 3-2-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- 1 Shri Nathu Alias D Shedame,
Dhaba Tah & Dist Nagpur.
- 2 Shri Rambhau Nathuji Shedame,
Dhaba Tah & Dist Nagpur.
- 3 Smt Gangabai Wasudeo Chikankar,
Whaba Tah & Dist, Nagpur
- 5 Lalabai Ramaji More,
Unadi Tah Saoner, Dist. Nagpur
- 6 Smt Banabai S Rao, Nagpur.

(Transferor)

- 7 Prakash Institute of India,
Chandan Bazar, Through trustee,
Shri Devidas Ramkushna Borkar,
Wadi Tah & Dist, Nagpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

585 Acres of land out of Khasra No. 102, of Mouza
Dhaba, Tah & Dist. Nagpur

H C. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th October 1977

Ref. No. IAC/ACQ/46/77-78.—Whereas I, H. C. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

N.I.T. lease Hold Plot No 51-A, Gokulpeth, Nagpur situated at Gokulpeth, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gajanan Construction Co.,
Gokulpeth, Nagpur.
Through Partners

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Bhaurao Bakane,
C/o Fentsess Counly General Hospital
R/o James Town, Tenn, 38566 USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.I.T. Lease hold Plot No. 51-A situated in Civil Station Extension scheme, Gokulpeth, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date · 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Anjali Ray Chaudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr Smt. Kalpana Krishna Murty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 18th October 1977

Ref. No. 53/77-78/IAC(A/R)/BBSR —Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. situated at Sahadeb Khunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Balasore on 17-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at mouza—Sahadeb Khunta, Sunhat, Dist Balasore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Balasore and registered by sale document No 159 dt 17-1-1977.

A N MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date . 18-10-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref No. TR/197-A/Acq /Meerut/77-78/4090.—Whereas, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sekh Mohd Murtaja
s/o Sekh Gulam Savri,
Sekh Mohd Taha s/o Sekh Mohd, Yasin,
Lal Kuti, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) M/s Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o
Tara Chand,
Bramhapuri, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 3 Bishwa Pukhta near Prabhat Nagar, Opp Saket, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 104,340/-.

R. P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur the 19th October 1977

Rel. No. TR/199-A/Acq/Meerut/77-78/4091—Whereas I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 1-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

IS-306GI/77

(1) S/Shri Sekh Mohibuddin
s/o Sekh Gyasuddin,
Ajmaluddin s/o Jamiluddin Savit
Lal Kuti, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) M/s Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o
Brahmpuri, Meerut

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 2 Bishwa 19 Bishwansi Pukhta near Prabhatnagar, Opp Saket, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs 1,04,115/-.

R P BHARGAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS- ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref No 33-A/Acq./Q/Kan/77-78/4092 —Whedear, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishambhar Dayal Gupta
s/o Sri Mool Chand Gupta,
r/o 51/30 Naughara, Kanpur

(Transferor)

(2) S/Shri Hualal, Ramashanker, Motilal, Shesh Pal
and Hazari Lal s/o Sri Surajdin, r/o
103/142 Colonelganj, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land Plot No 6, Block T, Gutaiya Scheme No. 7, Harshnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref. No. TR/194-A/Acq/Meerut/77-78/4093.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 24-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sekh Gulam Mohd Savri
s/o Sekh Mohd Wazir,
Sekh Mohd Yasin s/o Sekh Mohd Wazir,
Sekh Zamil Uddin Savri s/o
Bhaiya Sekh Muzaffar,
Lal Kurti, Meerut Cantt

(Transferee)

(2) M/S Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o
Sri Tara Chand,
Brahmapuri, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 3 Bishwa 4 Bishwansi Pukhta near Prabhatnagar Opposite Suket, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 1,05,247 50 P

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date . 19-10-1977
Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
COMBINED EXAMINATION (1978) FOR RECRUITMENT
TO MEDICAL POSTS IN THE RAILWAYS AND
ORDNANCE FACTORIES HEALTH SERVICE

NOTICE

New Delhi, the 29th October 1977

No. F.14/3/77-E.I(B).—A combined examination will be held by the Union Public Service Commission on 14th March, 1978 for recruitment to the following Group 'A' Medical Posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service.

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—Approx. 75 vacancies.
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance Factories Health Service—approx 43 vacancies.

The number of vacancies is liable to alteration.

The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

N.B.—Candidates should specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference. No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of posts for which they desired to be considered, would be entertained.

2. Centres of Examination.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Madras, Nagpur, Patiala, Patna, Shillong and Trivandrum.

3. Conditions of Eligibility.—

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) *Age Limit.*—Age below 30 years as on 1st January, 1978.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years for the examination to be held in 1978.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

(ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes;

(xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

(c) *Educational Qualification*

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination on or before 19th December, 1977.

NOTE 1.—Candidate who have yet to complete the compulsory rotating internship are educationally eligible for admission to the examination but on selection they will be appointed only after they have completed the compulsory rotating internship.

NOTE 2.—Candidates whose results at the written and practical parts of the final M.B.B.S. examination have not been declared and candidates who have yet to appear at these examinations are *NOT* eligible for admission to this examination.

4. Fee to be paid with the application.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

N.B.—Fee once paid will not be refunded nor held in reserve for any other examination or selection.

5. How to Apply.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Examination (1978) for recruitment to medical posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House,

New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

NOTE.—Request for supply of application forms and full particulars of the examination by post must reach the office of the Commission before 12th December 1977. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission up to 19th December, 1977.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

6. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 19th December 1977.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 2nd January, 1978.

7. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the

attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidates must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (*i.e.* University or other examining body) to show that he has passed the M.B.B.S. Examination on or before 19th December, 1977 *i.e.* the closing date for receipt of applications in the Commission's office.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming age concession*.—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under para 3(b) (ii) or 3(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 3(b)(iv) or 3(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia claiming age concession under para 3(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 3(b)(vii) or 3(b)(viii) should

produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 3(b)(ix) or 3(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 3(b)(xi) or 3(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 7 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.

8. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particular that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a

document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) If he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 7 ABOVE ATTESTED BY GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

13. Scheme of Examination.—The examination will comprise (1) a written examination in one paper of three hours duration containing objective questions covering the subjects (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics; (ii) General Medicine including Paediatrics; (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning; and (iv) Obstetrics and Gynaecology; and (2) a Personality Test carrying equal marks of candidates who qualify in the written examination.

NOTE.—Details regarding the nature of the examination sample questions and specimen answer sheet are given in the "Candidates' Information Manual" at Appendix II.

14. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed

standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the general knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates' intellectual curiosity, critical powers of assimilations, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

15. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into corresponding with them regarding the result.

17. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Railways (Railway Board) on a working day following the date of Personality Test.

20. No person :

- (a) who has entered into or, contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION,
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

22. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 21 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

23. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

R. S. GOELA
Dy. Secy.

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribe Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari*.....and/or* his/her*
family ordinarily reside(s) in village/town*.....of.....
District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place.....State/Union Territory*.

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term “ordinarily reside(s)” used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Collector/Deputy Commissioner/Commissioner / Deputy Collector
diary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, ‘Lakshadweep’.

APPENDIX II

CANDIDATE'S INFORMATION MANUAL

This manual is intended to give you as much information as we can, about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

The examination will be of three hours' duration. The standard will be such that a candidate with MBBS degree from an Indian university will be able to answer most of the questions. The subjects covered will be :

- (i) Surgery including E.N.T. Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;
- (ii) General Medicine including Paediatrics;
- (ii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning; and
- (iv) Obstetrics and Gynaecology.

NATURE OF THE TEST

The examination will be of the “Objective” or “Multiple Choice Answer” type. There will be many questions printed in a test-booklet. Each question will have 4 or 5 possible answer printed right after it. Your task will be to select THE ONE BEST ANSWER to each question. For each question there will be one, AND ONLY ONE ANSWER.

METHOD OF ANSWERING

The question will have serial Nos. 1, 2, 3 etc. The answer choices for each question will be marked ‘1’, ‘2’, ‘3’, ‘4’ etc. A separate answer sheet will be given to indicate your answers (see specimen answer sheet at the end of this manual). On the answer sheet the serial numbers of the questions will be given and at the right of each number there will be space provided for your answer. First decide which is the correct or best answer, out of those given, for each question. Then indicate your answer by writing the number of the answer you have selected in the space provided for the answer (see example on the specimen answer sheet).

Please note that YOU ARE TO MARK ONLY ONE ANSWER for each question. If you mark more than one answer for any question you will not be given any credit for

it even if one of your answer is correct. If you make a mistake and wish to change your answer, score out the error completely and clearly write the correct answer.

SOME IMPORTANT RULES

- (i) You are required to enter the Examination Hall 20 minutes before the prescribed time for the commencement of the examination and get seated immediately. If you do not report in time, you are likely to miss some of the general instructions to be announced in the Examination Hall. Since the test booklet and the answer sheet will be given to you before the actual time prescribed for the commencement of the examination to enable you to study the instructions and to enter certain particulars on the answer sheet, you are likely to lose the time allotted for answering questions in case you do not report in time as mentioned above.
 - (ii) Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
 - (iii) No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
 - (iv) After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the invigilator. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.** Candidates who violate this directive are liable to be penalised.
 - (v) Write clearly your Roll Nos., Centre of the test and code number and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
 - (vi) The test may be divided into a number of parts and separate instructions may be there regarding each part. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet and the answer sheet. Since evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous, you will get no credit for that item.
- Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.
- (vii) Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a pencil and a pen containing blue or black ink. You will not be permitted to take any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. Space for rough work is provided on the answer sheet itself. Answer should be marked in ink and not in pencil. Red ink should not be used on the answer sheet.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. **DO NOT WASTE TIME ON QUESTIONS WHICH ARE TOO DIFFICULT FOR YOU. GO ON TO THE OTHER QUESTIONS AND COME BACK TO THE DIFFICULT ONES LATER.**

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. First try to answer these questions about which you are sure. If you know nothing about a question, it is better to leave it blank. You will get better marks by omitting such question than by blind guessing. However, where you know enough to make an intelligent guess, you may do so.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant subjects to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

SAMPLE QUESTIONS

- 1 A 35-year old man wakes up after midnight with severe agonising upper abdominal pain. He has a previous history of upper abdominal discomfort and pain at periodic intervals. The most likely clinical diagnosis is :
 - (1) Acute Pancreatitis
 - (2) Acute Cholecystitis
 - (3) Renal Colic
 - (4) Perforated Duodenal ulcer.
 - (5) Perforated Typhoid ulcer.
 - 2 A young man has been brought to the Casualty Department unconscious with a history of being knocked down by a fast moving car. The most immediate procedure would be
 - (1) Multiple Buri holes
 - (2) X-ray of skull
 - (3) Ensuring adequate airway
 - (4) Electro-encephalogram
 - (5) General clinical examination.
 - 3 In a patient clinically suspected to have a perforated peptic ulcer, the single most useful investigation is
 - (1) Percussion (for obliteration of liver dullness)
 - (2) Diagnostic tap
 - (3) Serum amylase estimation
 - (4) Electrocardiogram—to rule out myocardial infarction
 - (5) Plain X-ray abdomen—erect posture—for evidence of gas under the diaphragm.
 - 4 A patient with fracture base of skull has bleeding from the ear. What procedure should be avoided ?
 - (1) Gently swabbing out the clotted blood
 - (2) Irrigation of the ear
 - (3) Instillation of local antibiotics
 - (4) Plugging the ear with sterile cotton
 - (5) Giving systemic antibiotics
 - 5 A young man with a history of a severe blunt injury on the lower left side of chest suddenly shows signs of poor vital signs—6 hours after injury. The most likely clinical diagnosis is
 - (1) Fracture rib with haemorrhage
 - (2) Spontaneous pneumothorax
 - (3) Perforation of stomach
 - (4) Ruptured spleen
 - (5) Severe muscle spasm
 - 6 A 19-year old married girl with some menstrual irregularity faints in the toilet in the morning. Her pulse is 110/minute, B.P. 90/60. What is the most likely clinical diagnosis ?
 - (1) Acute appendicitis
 - (2) Acute salpingitis
 - (3) Twisted ovarian cyst
 - (4) Ruptured ectopic gestation
 - (5) Hysteria
 - 7 The commonest cause of blindness in India is
 - (1) Trachoma
 - (2) Cataract
 - (3) Vitamin deficiency
 - (4) Injuries to the eye
 - (5) Leprosy.
 - 8 A 45 year old woman has undergone surgery for carcinoma of breast (stage II) 2 years previously. Now she comes with a history of a slip and fall and evidence of a fracture in the region of the neck of femur. The most likely cause of fracture is :
 - (1) Trauma of the fall
 - (2) Generalised decalcification
 - (3) Secondary malignant deposit in the bone
 - (4) Parathyroid adenoma
 - (5) Disturbance of calcium metabolism
 - 9 Mark the condition in which FEV₁/FVC ratio is likely to be reduced below 80% of the predicted value
 - (1) progressive systemic sclerosis
 - (2) Obesity
 - (3) diffuse interstitial pneumonia.
 - (4) hydrothorax
 - (5) bronchial asthma
 - 10 A 15 year old boy comes with complaints of intermittent mild fever, loss of appetite and weight and progressive swellings in the axilla and the neck for last 6 months. On examination he has firm freely mobile 1-4 cms diameter non-tender lymphnodes. His hemoglobin is 5 gm% ml. TLC-5,600/c mm, polymorphs 67% Lymphocytes 33% a negative Montoux test and a normal X-ray chest. Of the following which is the most likely diagnosis :—
 - (1) tubercular lymphadenitis.
 - (2) lymphatic leukemia
 - (3) hodgkin's lymphoma.
 - (4) glandular fever.
 - (5) sarcoidosis.
 - 11 Carcinoma cervix is more frequent in :
 - (1) prolapse of uterus
 - (2) virgins
 - (3) multiparous women
 - (4) hypertension
 - (5) none of the above
 - 12 A satisfactory method of treatment of adenomyosis of the uterus is .
 - (1) radiation.
 - (2) hormones
 - (3) curettage
 - (4) hysterectomy
 - (5) Enucleation of adenomyoma
 - 13 The diagnosis of lead poisoning can be made by :
 - (1) Demonstration of basophilic stippling.
 - (2) Straining of teeth
 - (3) Increased lead in urine.
 - (4) All of above
 - (5) None of above
 - 14 Perinatal mortality rate covers all deaths upto .
 - (1) 24 hours of age
 - (2) 7 days of life
 - (3) 28 days of life.
 - (4) 1 year of life
 - 15 The number of eligible couples in a village of 1000 are likely to be between
 - (1) 50—100
 - (2) 125—175
 - (3) 200—300
 - (4) 300—500
- (NOTE :—These questions are given with a view to familiarise the candidates with the type of objective questions. The questions do not indicate the coverage of topics or relative weightage given to each area. Questions of other types may also appear in the actual examination).

APPENDIX—III

Brief particulars relating to the Services, to which recruitment is being made through this examination are given below.

1 Assistant Divisional Medical Officer on the Railways—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

- 1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.
- 6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.
- 11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.
- 16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders with the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

(k) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(1) Prospects of promotion including Pay Scales and allowances attached to the higher grades—

A.D.M.Os. with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing a medical qualification included in the first or second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956 (Holders of educational qualifications included in Part II of the 3rd Schedule should fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956) are eligible for promotion to the post of Divisional Medical Officer (Senior Scale) in the Scale of Rs. 1100—1800 (RS), plus restricted non-practising allowance as per rules/orders in force from time to time.

(m) Duties and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officer.

(i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any and will prepare returns and indents connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

Note (1). When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

Note (2) ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

II. Post of Assistant Medical Officer in the Ordnance Factories Health Service (OFHS) under the Ministry of Defence—

(a) The post is temporary in Group A but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The dates at present are—

1 — 5 stages	Rs. 150/- per month
6 — 10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospital or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

(i) **SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs 1100—50—1600 plus NPA—

1 — 3 stages	Rs. 250/- per month
4 — 5 stages	Rs. 300/- per month
6 — 7 stages	Rs. 350/- per month
8 — 9 stages	Rs. 350/- per month
10 — 11 stages	Rs. 450/- per month

(ii) **SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in 3 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

(iii) **SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services on completion of 3 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Service with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

(g) **Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS**

(i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments daily and as required.

- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) *GDO GR I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER*

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estts. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) *SUPER-TIME GRADE II—DY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.*

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) *SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.*

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of the PMO's, SMO's and AMOs.

SPECIMEN ANSWER SHEET

Roll No.	Centre	CODE NUMBER of test booklet	SERIAL NUMBER of test booklet
------------------	------------------	--	--

DIRECTIONS :

(1) All answers must be marked in the answer sheet. The serial number of the items (questions) in the TEST BOOKLET are printed inside. You have to write against each item, the serial number of the correct or best response (answer) you have chosen for that item. For example, if alternative "3" is the correct response to item number "16", you should mark as shown.

15	
16	3
17	

(2) You are required to mark one and ONLY ONE response (answer) for each item (question). If you mark more than one response for any item, you will get no credit even if one of your responses is correct.

(3) If you make a mistake and wish to correct it, be sure to make the change very clearly. If the correction you have made in the response to any item is not clear or is ambiguous, you will not get any credit for that item.

15	
16	3.
17	

(4) Use ink or ball point pen only for answering. Do not use pencil. Do not use red ink.

(Example for Correction)

Item (Question) No.	Response (Answer)
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	

Item (Question) No.	Response (Answer)
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	

Item (Question) No.	Response (Answer)
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	
29	
30	

Item (Question) No.	Response (Answer)
31	
32	
33	
34	
35	
36	
37	
38	
39	
40	

SPACE FOR ROUGH WORK.